हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 142 | प्रयागराज, बुधवार 31 अगस्त , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 2 रुपया

प्रधानमंत्री मोदी दो सितंबर को भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत को नौसेना में शामिल करेंगे

प्रयाग दर्पण संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो सितंबर को कोच्चि के कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत' को नौसेना में शामिल करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पीएमओ ने बताया कि मोदी एक–दो सितंबर को कर्नाटक और केरल में कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे, जिसमें कोचीन हवाईअड्डे के पास कलाडी गांव में आदि शंकराचार्य के जन्मस्थान का दौरा भी शामिल है। पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री मंगलुरु में करीब 3,800 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि मोदी आत्मनिर्भरता के प्रबल समर्थक रहे हैं, खासकर रणनीतिक क्षेत्रों में, और 'आईएनएस विक्रांत' का नौसेना में शामिल होना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह पहला ऐसा पोत है, जिसे पूरी तरह से स्वदेश में बनाया गया है। भारतीय नौसेना के इन–हाउस वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी) द्वारा डिजाइन किया गया और सार्वजनिक क्षेत्र के शिपयार्ड कोचीन शिपयार्ड द्वारा निर्मित 'आईएनएस विक्रांत' अत्याधुनिक ऑटोमेशन सुविधाओं से लैस है। यह भारत के समुद्री इतिहास में देश में

निर्मित अब तक का सबसे बड़ा पोत है। पीएमओ के अनुसार, विमान वाहक पोत का नामकरण उसके पूर्ववर्ती 'आईएनएस विक्रांत' के नाम पर किया गया है, जो भारत का पहला विमान वाहक पोत था और जिसने 1971 के युद्ध में अहम भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि पोत में बड़ी संख्या में स्वदेशी उपकरण और मशीनरी लगाई गई है, जिनका निर्माण देश के प्रमुख औद्योगिक घरानों के साथ–साथ 100 से अधिक एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों) ने किया है। पीएमओ के मुताबिक, 'आईएनएस विक्रांत' के नौसेना में शामिल होने के साथ भारत के पास दो क्रियाशील विमान वाहक पोत हो जाएंगे, जो देश की समुद्री सुरक्षा को मजबूत बनाने में मदद करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि मोदी नए नौसैनिक ध्वज (निशान) का भी अनावरण करेंगे, जो औपनिवेशिक अतीत को पीछे छोड़ते हुए समृद्ध भारतीय समुद्री विरासत के अनुरूप होगा। पीएमओ के अनुसार, मंगलुरु में प्रधानमंत्री 'बर्थ संख्या14' के मशीनीकरण से जुड़ी 280 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना का उद्घाटन करेंगे, जिसका उद्देश्य न्यू मैंगलोर बंदरगाह प्राधिकरण में कंटेनर और अन्य कार्गो के बेहतर प्रबंधन की क्षमता विकसित करना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने परिवार की परिक्रमा पॉलिटिक्स को परास्त किया : नकवी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने परिश्रम की बदौलत देश में परिवार की परिक्रमा पॉलिटिक्सष को परास्त किया है।

यहां नकवी के कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने उत्तर प्रदेश के बिजनौर में 'नजफ–ए–हिंद' दरगाह में जियरात के बाद यह टिप्पणी की। भाजपा नेता ने कहा, ''मोदी जी ने परिश्रम के परिणाम से ष्परिवार की परिक्रमा पॉलिटिक्सष को परास्त किया है। अब सियासत, परिवार की विरासत के पालनेष से बाहर निकल कर, गरीबों के चौके, चूल्हे और चौखट के सरोकार की प्राथमिकता बन गई है। हिंदुस्तान का यह बदलाव प्रधानमंत्री के परिश्रम का परिणाम है।

मूसेवाला हत्याकांड का प्रमुख आरोपी आजरबैजान में : पंजाब डीजीपी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को कहा कि उसने गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के एक प्रमुख आरोपी का पता लगाया है, जो आजरबैजान में है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कहा कि आरोपी सचिन थापन बिश्नोई का पता लगाने में केंद्रीय एजेंसियों ने राज्य पुलिस की मदद की और उसे भारत वापस लाने के प्रयास जारी हैं। मूसेवाला की हत्या से पहले सचिन और एक अन्य आरोपी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई अनमोल बिश्नोई फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल करके देश छोड़कर भाग गये थे। डीजीपी ने कहा कि सचिन लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के एक अन्य सदस्य गोल्डी बराड़ के संपर्क में था, जिसने गायक की हत्या की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने कहा, 'वह शुरू में दुबई भाग गया था। भारत सरकार और केंद्रीय एजेंसियों के समर्थन से, हमने पता लगाया है कि वह आजरबैजान में है। कानूनी प्रक्रिया चल रही है।

हमें उम्मीद है कि उसे बहुत जल्द भारत लाया जाएगा। पंजाब के मनसा जिले में 29 मई को सिद्धू मूसेवाला के नाम से मशहूर गायक शुभदीप सिंह सिद्धू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

सीबीआई ने गाजियाबाद में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में उनके बैंक लॉकर की ली तलाशी

गाजियाबाद। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों ने मंगलवार को यहां दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के लॉकर की तलाशी ली। सीबीआई के वहां पहुंचने पर बैंक के बाहर अफरा–तफरी मच गई, मीडिया कर्मियों का जमावड़ा लग गया और भीड़ भी एकत्रित हो गई। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो के करीब पांच अधिकारियों का एक दल राष्ट्रीय राजधानी के बाहरी इलाके गाजियाबाद के सेक्टर–4 वसुंधरा स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की शाखा में लॉकर की तलाशी लेने पहुंचा। सिसोदिया भी अपनी पत्नी के साथ बैंक में मौजूद थे। दिल्ली आबकारी नीति 2021–22 के कार्यान्वयन में हुई कथित अनियमितताओं के सिलसिले में दर्ज सीबीआई की प्राथमिकी में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सिसोदिया सहित 15 लोगों और संस्थाओं को नामजद किया गया है। सिसोदिया ने सोमवार को ट्वीट किया था, 'कल सीबीआई हमारा बैंक लॉकर देखने आ रही है। 19 अगस्त को मेरे घर पर 14 घंटे के छापे में कुछ नहीं मिला था। लॉकर में भी कुछ नहीं मिलेगा। सीबीआई का स्वागत है। जांच में मेरा और मेरे परिवार का पूरा सहयोग रहेगा। सीबीआई ने 19 अगस्त को इस मामले में सिसोदिया के आवास समेत 31 स्थानों पर छापे मारे थे। सिसोदिया का कहना है कि उन्हें एक झूठे मामले में आरोपी बनाया गया है, ताकि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आगे बढ़ने से रोका जा सके जो 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकल्प के तौर पर उभरे हैं। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र में कहा था कि राज्य की सरकारों को गिराने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार एक ''सीरियल किलर की तरह बर्ताव कर रही है।

सीबीआई को मेरे लॉकर की तलाशी के दौरान कुछ नहीं मिला : सिसोदिया

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को कहा कि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को उनके लॉकर की तलाशी के दौरान कुछ नहीं मिला। सीबीआई के चार सदस्यीय एक दल ने गाजियाबाद के वसुंधरा स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की शाखा में सिसोदिया के बैंक लॉकर की आज यानी मंगलवार को करीब दो घंटे तलाशी ली। सिसोदिया भी अपनी पत्नी के साथ बैंक में मौजूद थे। तलाशी खत्म होने के बाद सिसोदिया ने पत्रकारों से कहा कि सीबीआई दबाव में काम कर रही है। सिसोदिया ने पत्रकारों से कहा, '' मुझे खुशी है कि मुझे आज तलाशी में सीबीआई से 'क्लीन चिटश मिली। उन्हें मेरे लॉकर या आवास की तलाशी से कुछ भी ऐसा नहीं मिला जिससे कानून का उल्लंघन होता हो।

नहीं बुझ रही 2 दिनों से ड्राई फ्रूट के गोदाम में लगी भयंकर आग, लोगों के लिए जारी हुआ अलर्ट

अमृतसर। अमृतसर के हलका अटारी के गांव रामपुरा में उस समय हड़कंप मच गया जब दबुर्जी के पास रामपुर में स्थित ड्राई फ्रूट के नेशनल कोल्ड स्टोर में भयंकर आग लग गई। कोल्ड स्टोर में पड़े करोड़ों रुपए का ड्राई फ्रूट जलकर राख हो गया। वही आपको बता दें कि पिछले 2 दिन से आग लगी हुई है लेकिन अभी तक फायर ब्रिगेड द्वारा आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया गया। फायर ब्रिगेड को भारी मुशक्कत करनी पड़ रही है। लगातार पिछले 2 दिन से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई हैं लेकिन अभी भी आग सुलग रही है। जानकारी देते हुए कोल्ड स्टोर के मालिक हरदीप सिंह ने बताया कि उनका करोड़ों का नुकसान हो गया है। साथ ही व्यापारी उसे धमका रहे हैं कि उनके नुकसान की भरपाई की जाए। एक तरफ जहां व्यापारियों का नुकसान हुआ है वहीं उसका भी तो नुकसान हुआ है। इस मौके पर उन्होंने पुलिस प्रशासन से मदद की गुहार

लगाई है। वहीं मौके पर पहुंचे अमश्तसर के हलका अटारी के विधायक जसविंदर सिंह रमदास ने कोल्ड स्टोर में लगी आग वाली जगह का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि प्रशासन अलर्ट पर है। मिर्च के कारण एलर्जी या मरीजों की परेशानी न बढ़े इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट पर रखा है। बता दें कि बीते रविवार को शाम 5 बजे स्टोर में आग लगी थी और अभी तक फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में लगी हुई है। आपको बता दें कि फोम केमिकल का 4 घंटे तक उपयोग करने के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं है। सोमवार देर रात 11 बजे तक ए.डी.एफ.ओ. लवप्रीत सिंह टीम के साथ मौके पर आग बुझाने में जुटे रहे। एस.डी.एम. हरप्रीत सिंह ने बताया कि थर्माकोल व प्लास्टिक की चीजें भी यहां रखी थी, जिससे धुएं का गुबार उठ रहा है।

देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 65,732 हुई

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 5,439 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,44,21,162 हो गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 65,732 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड–19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 65,732 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.15 प्रतिशत है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.66 प्रतिशत हो गई।

दैनिक संक्रमण दर 1.70 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 2.64 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,38,25,024 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड–19 से मश्त्यु दर 1.19 प्रतिशत है।

आप भी सत्ता के नशे में डूब गये अन्ना हजारे ने चिट्ठी लिख केजरीवाल को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली। दिल्ली में आबकारी नीति में कथित घोटाले को लेकर जहां केंद्र सरकार लगातार जांच कर रही हैं वहीं अब इस बीच समाजसेवी अन्ना हजारे ने चिट्ठी लिख आप सरकार पर हमला बोला है इसके साथ ही चिट्ठी में शराब से जुड़ी समस्याओं और उसके सुझाव दिया है। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर उनकी सरकार की नयी आबकारी नीति की निंदा की है और लिखा है कि मुख्यमंत्री 'सत्ता के नशे में चूर लगते हैंश। हजारे ने यह भी कहा है कि एक ऐतिहासिक आंदोलन को नुकसान पहुंचाने के बाद जन्मी पार्टी अब दूसरे दलों के रास्ते पर है, जो पीड़ादायी है। हजारे ने कहा कि नयी नीति से शराब की बिक्री और खपत को बढ़ावा मिलेगा तथा भ्रष्टाचार भी बढ़ेगा। दिल्ली के उप राज्यपाल वी के सक्सेना ने पिछले महीने दिल्ली की आबकारी नीति 2021–22 के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं के मामले में सीबीआई

जांच की सिफारिश की थी। हजारे ने महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में अपने गांव रालेगण सिद्धि में पूरी तरह शराब प्रतिबंध का हवाला देते हुए अपने पूर्व सहयोगी केजरीवाल को उनकी पुस्तक 'स्वराजश के बारे में याद दिलाया जिसमें शराब पर पाबंदी की वकालत की गयी है। इस किताब की प्रस्तावना हजारे ने ही लिखी है। उन्होंने केजरीवाल के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें पहली बार पत्र लिखा है और कहा कि दिल्ली सरकार की नयी आबकारी नीति के बारे में खबरें पढ़कर उन्हें दुख होता है। उन्होंने कहा कि आपने किताब में कई आदर्शवादी बातें लिखी हैं। सभी को आपसे उम्मीदें थीं, लेकिन ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद, आप आदर्श भूल गये और इसलिए दिल्ली सरकार नयी आबकारी नीति लाई। हजारे ने लिखा कि ऐसा लगता है कि नयी नीति से शराब की बिक्री और खपत बढ़ जाएगी तथा कहीं भी शराब की दुकानें खोली जा सकती हैं। उन्होंने लिखा कि इस नीति से भ्रष्टाचार बढ़ेगा और यह जनता के बिल्कुल भी हित में नहीं है। लेकिन फिर भी आपने नयी शराब नीति लाने का फैसला किया। शराब के नशे की तरह सत्ता का नशा होता है और ऐसा लगता है कि आप इसमें चूर हो। हजारे ने कहा कि नीति दिखाती है कि एक ऐतिहासिक आंदोलन को नुकसान पहुंचाने के बाद जन्मी पार्टी अब दूसरे दलों के रास्ते पर है, जो पीड़ादायी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद केजरीवाल लोकपाल और लोकायुक्त कानून के बारे में भूल गये।

वाराणसी: बाढ़ की वजह से फैली डायरिया-मलेरिया की बिमारी, हर दिन 1200 लोग पहुंच रहे ओपीडी, बच्चों में भी बढ़ा खतरा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में बाढ़ आने से लोगों पर बड़ी आफत आ गई है। लोगों को बाढ़ की वजह से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा परेशानी लोगों को अपनी सेहत को लेकर हो रही है। जिलें में बाढ़ की वजह से लोगों में संक्रमण के कारण वायरल और डायरिया की बीमारी तेजी से फैल रही है। जिसकी वजह से अस्पतालों में मरीजों की भारी संख्या देखने को मिल रही है। बता दें कि जिले में बाढ़ की वजह से वायरल और डायरिया जैसी बीमारियों का खतरा का भी बढ़ गया है। जिसका सीधा असर अब वाराणसी के शिव प्रसाद गुप्त मंडलीय अस्पताल में देखने को मिल रहा है। अस्पताल में आम दिनों की अपेक्षा ओपीडी में डेढ़ गुना तक मरीज बढ़ गए हैं। इसके अलावा डायरिया के कारण बच्चों का वार्ड भी लगभग फुल हो गया है। जानकारी के मुताबिक, मंडलीय अस्पताल में आजकल हर दिन करीब एक हजार से 1200 लोग ओपीडी में पहुंच रहे

हैं। जबकि आम दिनों में 600 से 800 के बीच में मरीजों की संख्या रहती थी। वहीं बाढ़ के बीच इन खतरों को देख स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट मोड़ में आ गया है और अस्पताल ने इससे निपटने के लिए तैयारियां भी कर ली हैं। मंडलीय अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ हरिचरण ने बताया कि बाढ़ के कारण अस्पताल में डायरिया, वायरल फीवर और मलेरिया जैसे लक्षणों वाले कई मरीज आ रहे हैं। इनका इलाज किया जा रहा है। हमारी पूरी टीम अलर्ट है और पर्याप्त मात्रा में दवाइयां भी उपलब्ध हैं। डॉ हरिचरण ने बताया कि बाढ़ के कारण बच्चों में बीमारियों का खतरा ज्यादा है और वो इससे ज्यादा प्रभावित भी हो रहे हैं। ऐसे में बाढ़ के इलाकों में लोगों को पानी का सेवन उबालकर करना चाहिए। साथ ही साथ मच्छरदानी का इस्तेमाल भी हर हाल में करना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि बुखार जैसी समस्याओं को लोग नजरअंदाज न करें और तत्काल डॉक्टर की सलाह के बाद दवा लें।

गंगा किनारे आजीविका संसाधनों के विकास में समन्वय के लिये 'अर्थ गंगा केंद्र' स्थापित करेगी सरकार

सरकार गंगा नदी के किनारे लोगों की आजीविका के स्रोतों एवं संसाधनों को विकसित करने के कार्यक्रमों में समन्वय के लिये ''अर्थ गंगा केंद्र'' एवं ''गंगा संसाधन केंद्र'' स्थापित करेगी ।

ये केंद्र कृषि, वानिकी, जैव शिल्प, इको टूरिज्म, नौकायन, साहसिक पर्यटन, योग, स्थानीय उत्पाद को बढ़ावा देने से जुड़ी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिये समुदायों, वैज्ञानिकों एवं गांव के बीच 'सेतु' का काम करेंगे ।

आप, भाजपा के एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप, विधानसभा परिसर में किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच भ्रष्टाचार को लेकर जारी जुबानी जंग के मध्य दोनों दलों के विधायकों ने पूरी रात विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया। एक ओर 'आप विधायक उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के खिलाफ छह साल पुराने एक मामले में जांच की मांग कर रहे हैं, वहीं भाजपा के विधायक आप नेता मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। आप ने आरोप लगाया है कि उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने 2016 में खादी विकास और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) का अध्यक्ष रहते हुए अपने कर्मचारियों पर 1400 करोड़ रुपये के पुराने नोट बदलवाने के लिए दबाव डाला था। रात भर विधानसभा परिसर में प्रदर्शन के दौरान 'आप विधायकों ने 'हम होंगे कामयाब जैसे गाने गाए और सक्सेना के खिलाफ नारे लगाए। गौरतलब है कि ये प्रदर्शन, सक्सेना की ओर से दिल्ली आबकारी नीति 2021–22 में कथित भ्रष्टाचार की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की सिफारिश करने तथा आप के सक्सेना पर सरकार के काम में ''हस्तक्षेप करने के आरोप के बाद हुए हैं। आम आदमी पार्टी के विधायक हाथ में तख्तियां लिए महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास बैठ गए, जबकि भाजपा विधायकों ने विधानसभा परिसर के अंदर भगत सिंह, राज गुरु और सुखदेव की प्रतिमा के पास धरना दिया।

शराब और 'शिक्षा घोटाला दिल्ली सरकार में भ्रष्टाचार के ट्विन टावर : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 'शराब और 'शिक्षा घोटाले दिल्ली सरकार में 'भ्रष्टाचार के ट्विन टावर हैं तथा अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में इनमें धीरे–धीरे अधिक मंजिलों का निर्माण किया जा रहा है। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने कक्षाओं के निर्माण की लागत में कई बार वशद्धि की और कई स्कूलों के शौचालयों को कक्षाओं के रूप में पेश किया, ताकि 'बढ़ाई गई लागत को जायज ठहराया जा सके। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार 'रिवर्स रॉबिनहुड के मॉडल पर अमल कर रही है, जिसके तहत गरीबों के कल्याण के लिए निर्धारित राशि से शराब माफियाओं का खजाना भरा जा रहा है। पूनावाला ने कहा, "लोगों ने 'पाठशाला (स्कूल) मांगी थी, लेकिन 'आपश सरकार ने उन्हें 'मधुशाला (शराब की दुकानें) दी। शिक्षा व शराब घोटाला राष्ट्रीय राजधानी में भ्रष्टाचार के ट्विन टावर हैं।" सांसद मनोज तिवारी ने उस घटना का जिक्र किया, जिसमें बाहरी दिल्ली के नांगलोई इलाके के एक सरकारी स्कूल में कक्षा में पंखा गिरने से एक छात्रा के सिर में गंभीर चोट आई थी। तिवारी ने केजरीवाल सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, "अब तक 'आप की नैतिकता में गिरावट आ रही थी और अब उसके स्कूलों में पंखे भी गिरने लगे हैं।" उन्होंघ्ने आरोप लगाया कि कई सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में अर्ध–स्थायी संरचनाओं का इस्तेमाल किया गया है, जिसके चलते पंखे गिर रहे हैं।

सम्पादकीय

रक्षा में आत्मनिर्भरता

भारत सरकार ने रक्षा क्षेत्र में उपयोग होने वाले 780 वस्तुओं के आयात पर रोक लगा दी है। दिसंबर, 2023 से दिसंबर, 2028 के बीच चरणबद्ध तरीके से इसे लागू किया जायेगा। ये चीजें भारत में ही निर्मित की जायेंगी। उल्लेखनीय है कि यह तीसरी ऐसी सूची है। पिछले वर्ष दिसंबर और इस वर्ष मार्च में दो सूचियां जारी हुई थीं। आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के इस प्रयास के तहत 2500 चीजों का देश में उत्पादन हो रहा है तथा उनके आयात की अब कोई आवश्यकता नहीं है। सूचियों में शामिल आयातित हो रहीं 458 वस्तुओं में से भी 167 का उत्पादन प्रारंभ हो चुका है। इस पहल से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों की आयात पर निर्भरता घटेगी तथा घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि महामारी के दौर में दो वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया था। रक्षा क्षेत्र में यह प्रयास पहले ही प्रारंभ हो गया था। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यह जानकारी दी थी कि बीते चार–पांच वर्षों में रक्षा आयात लगभग 21 प्रतिशत कम हुआ है। आत्मनिर्भरता के लिए आयात घटाने के साथ–साथ निर्यात बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। वित्त वर्ष 2021–22 में 13 हजार करोड़ रुपये मूल्य के रक्षा साजो–सामान दूसरे देशों को बेचे गये थे। घरेलू रक्षा उद्योग में बढ़ोतरी का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि उक्त निर्यात का 70 प्रतिशत हिस्सा निजी क्षेत्र के उद्योगों ने उत्पादित किया था। केंद्र सरकार ने 2020 में पांच वर्षों में रक्षा निर्यात को 35 हजार करोड़ रुपये तक करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। अनुमान है कि 2025 तक भारतीय रक्षा उद्योग 1।75 लाख करोड़ रुपये हो जायेगा।

बढ़ती रक्षा आवश्यकताओं के कारण आठ वर्षों में बजट आवंटन भी बढ़ता रहा है। आम तौर पर इस आवंटन का एक बड़ा हिस्सा आयात पर खर्च होता रहा है। पर अब विदेशी मुद्रा की बचत भी हो रही है तथा घरेलू उद्योगों का विकास भी हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने नौसेना के लिए 75 स्वदेशी तकनीकों और उत्पादों के विकास के कार्यक्रम की शुरुआत भी की है। अभी देश में 30 युद्धपोतों और पनडुब्बियों का निर्माण हो रहा है। इस वर्ष के रक्षा बजट में घरेलू हथियारों की खरीद को बढ़ावा देने हेतु 68 प्रतिशत और शोध एवं विकास कार्यों हेतु निजी क्षेत्रों, नवउद्यमों तथा अकादमिक क्षेत्र के लिए 25 प्रतिशत पूंजी परिव्यय का प्रावधान किया गया है। आयात कम होने और निर्यात अधिक होने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी सामरिक स्थिति में मजबूती आयेगी।

क्या अहमदाबाद मद्रिद से कुछ सीख सकता है?

स्पेन की महिलाएं इन दिनों राजधानी मद्रिद की सड़कों पर श्वीवा अर्थात जीत गए की निशानी बनाती दिख रही हैं और उनकी इस खुशी की वाजिब वजहें हैं, छह साल के लंबे संघर्ष के बाद उन्हें यह जीत हासिल हुई है,जब यौन अत्याचार की पीड़िताओं को न्याय दिलाने के लिए उन्होंने संघर्ष छेड़ा था। केवल राजधानी मद्रिद ही नहीं देश के तमाम अग्रणी शहरों एवं क्षेत्रों में महिलाओं की इस एकता की झलक दिखाई दी थी, जिसके चलते स्पेन की संसद को कानून की किताबों में मौजूद नारीद्वेष की बातों को हटाना पड़ा था और एक नए विधेयक पर सहमति बनानी पड़ी थी जिसका लब्बोलुआब था कि यौनसंबंध सहमति को महज माना नहीं जा सकता या स्त्री के मौन को ही उसकी सहमति नहीं कहा जा सकता। यह प्रसंग शुरू हुआ था वर्ष 2016 में जब 18 साल की एक युवती पांच युवकों के यौन हमले का शिकार हुई थी, पाम्पलोना नामक स्थान पर बैलों की लड़ाई से जुड़ा कोई महोत्सव था, वहीं पर यह घटना हुई थी। अदालत ने अत्याचारियों को नौ साल की कम सजा सुनायी थी क्योंकि अभियुक्तों ने यह सफाई पेश की थी कि पीड़िता ने यौन सम्बध के प्रति सहमति प्रकट की थी। आज अगर पलट कर देखने की कोशिश करें तो इस बात पर आसानी से विश्वास नहीं हो सकता कि अदालत के इस समस्याग्रस्त फैसले ने महिलाओं को इतना क्षुब्ध किया कि वह देश के तमाम शहरों में सैकड़ों हजारों की तादाद में सड़कों पर उतरीं और उन्होंने मांग की कि स्पेन के यौन हमलों के नियमों को बदल दिया जाना चाहिए। दरअसल महिलाओं को जिस बात ने अधिक क्षुब्ध किया वह था इन बलात्कारियों की सजा को कम करने को लेकर जिस तरह महज पुरुषों के वॉटसएप्प ग्रुपों में जिस तरह का स्वागत किया था या घोषित दक्षिणपंथियों ने सजा में कमी का स्वागत करने वाले बयान दिए थे, जिससे प्रतिरोध और बढ़ा था। अब इन अत्याचारियों को कुल पंद्रह साल सलाखों के पीछे बीताने पड़ेंगे। यह मामला जिसे वूल्फ पैक केस के तौर पर जाना जाता है, जिसमें 18 साल की उस युवती की पीड़ा तमाम स्त्रियों की पीड़ा बन गयी, वह शेष समाज के लिए भी एक जागृति का समय रहा है, जिसे अपने निहित पूर्वाग्रहों और स्त्रियों के खिलाफ हिंसा की तमाम छटाओं पर, जिसमें आत्मीय रिश्तों में नजर आने वाली हिंसा पर भी सोचने के लिए मजबूर होना पड़ा। हर साल इस आत्मीय हिंसा में पचास से अधिक स्त्रियां अपने पतियों या पूर्वपतियोंध्पार्टनरों के हाथों मार दी जाती हैं। यह विडम्बना की पराकाष्ठा थी कि जब स्पेन के लोग इन तमाम मुद्दों पर गहरे आत्मपरीक्षण में मुब्तिला थे, स्पेन की संसद यौन सहमति कानूनों में संशोधन पर सोच रही थी ताकि विभिन्न किस्म के यौन हमलों से स्त्रियों की रक्षा की जा सके, उन्हें तत्काल कानूनी सहायता एवं समर्थन मिले, कोई उनके साथ यौन अत्याचार को हलके में न ले, उन्हीं दिनों स्पेन की राजधानी माद्रिद से सात हजार किलोमीटर से भी अधिक दूरी पर स्थित एक मुल्क के एक सूबे में कार्यपालिका बिल्कुल विपरीत दिशा में कदम बढ़ा रही थी। वह सामूहिक बलात्कार एवं हत्या के ग्यारह दोषियों की सजा में विशेष छूट देने का प्रावधान पर अंतिम मुहर लगा रही थी। सूबा गुजरात के इन ग्यारह लोगों द्वारा बीस साल पहले जब उस सूबे में जगह–जगह अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को हिंसाचार का शिकार होना पड़ा था, मानवता के खिलाफ जिन अपराधों को अंजाम दिया था, उसके चलते उच्च अदालत ने उन्हें उम्र कैद की सजा सुनायी थी। तीन मार्च 2002 की इस घटना में अल्पसंख्यक समुदाय के 13 लोगों को – जिनमें एक ही परिवार की कई महिलाएं भी शामिल थीं – मार दिया गया था और मारे जाने के पहले यह महिलाएं सामूहिक बलात्कार का शिकार हुई थी। इस अत्याचार में 21 साल की एक युवती बिल्किस बानो ही बच पाई थी, जिसने अपनी आंखों के सामने अपनी मां एवं अन्य सदस्यों को निर्वस्त्र किए जाते और अत्याचार का शिकार बनाए जाते देखा था। इन खूनियों ने बिल्किस की तीन साल की बच्ची सलेहा को पत्थर पर पटक कर मार डाला था। तय बात है कि किसी भी सभ्य समाज में ऐसे मनुष्यहंता लोगों की सजा को कम करने के बारे में कोई सोच नहीं सकता था। यह कहना मुश्किल है कि सूबे के मुखियाओं ने यह निर्णय लेने के बारे में क्यों सोचा, मुमकिन है प्रधानमंत्री के इस गृहराज्य के इन कर्णधारों को लगा होगा कि इसके चलते वह अपने जनाधार में एक अलग तरह का संदेश दे सकेंगे। वैसे गुजरात की बिल्किस बानो एवं स्पेन की वह 18 साल की युवती – जो अब 24 साल की हो चुकी थी, दोनों में एक समानता अवश्य थी। इन दोनों पीड़िताओं ने कभी हार नहीं मानी। वह तमाम बाधाओं के बावजूद न्याय की लड़ाई में अड़िग रही, शायद उन्होंने यह महसूस किया था कि उनका यह संघर्ष महज उनके आत्मसम्मान का मामला नहीं है, वह समाज की तमाम पितृसत्तात्मक मान्यताओं और संकीर्ण धारणाओं के खिलाफ संघर्ष है। उधर पाम्पलोना के वह पांच यौन अत्याचारी थे, जिन्होंने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान एक युवती को अपनी हवस का शिकार बनाया था और अपने इस श्मर्दानाश काम के लिए अपने वाटसएप ग्रुप पर बखान किया था, उस हमले का वीडियो शेयर किया था, और बढ़ते जनाक्रोश के चलते उनकी सजा बढ़ाई जा रही थी, पंद्रह साल उन्हें जेल में पूरे करने थे, जनता की निगाह में यह पांचों अत्याचारी अब निंदा एवं घृणा के पात्र थे, जिन्हें अपने किए पर पश्चात्ताप अकेले ही करना था। इधर गुजरात के यह ग्यारह सामूहिक बलात्कारी थे, जिन्होंने हत्या की थी, जिन्हें अपने अपराधों के लिए अदालत ने उम्र कैद की सजा सुनाई थी, वह न केवल सजा में माफी से लाभान्वित हो रहे थे और जनता की निगाहों में निंदा नहीं बल्कि सम्मान के पात्र बन कर बाहर निकल रहे थे। जेल के बाहर इन दरिन्दों का बाकायदा फूल मालाओं, आरती से स्वागत किया गया था और इतना ही काफी नहीं जान पड़ा था, जेल के बाद ही उन्हें नगर के एक सार्वजनिक हॉल में ले जाया गया था और उन्हें फिर मालाएं पहनाई गई थीं।– **सुभाष गाताडे**

दलाई लामा को मिले भारत रत्न

कुछ समय से भारतीय समाज के कई क्षेत्रों से यह मांग जोर पकड़ रही है कि दलाई लामा को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। हाल में बीजू जनता दल के सांसद और भारतीय संसद में तिब्बत समर्थक सांसदों के संगठन के संयोजक सुजीत कुमार ने कहा कि दलाई लामा एक जीवंत प्रतीक हैं मानवीय प्रेम, करुणा और अहिंसा के, जो भारतीय संस्कृति के मूल तत्व हैं। दलाई लामा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि और उसकी सॉफ्ट–पावर की वश्द्धि में बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने भारत सरकार से दलाई लामा को भारत–रत्न से सम्मानित करने की अपील की है। कुछ दिन पहले हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता शांता कुमार ने भी ऐसा ही आग्रह किया था। ऐसी मांग करने वालों की एक साझा दलील यह है कि यदि भारत सरकार विदेशी मूल के नेल्सन मंडेला, खान अब्दुल गफ्फार खां और मदर टेरेसा जैसे महान व्यक्तित्वों को भारत रत्न देने का फैसला कर सकती है, तो व्यापक वैश्विक लोकप्रियता वाले दलाई लामा जैसे व्यक्ति को भी यह सम्मान दिया जाना वाजिब है, जो पिछले 63 साल से भारत में रह रहे हैं। इस मांग के नये सिरे से उठने पर कुछ लोगों को यह गलतफहमी हो रही है कि शायद इसे भारत और चीन के बीच रिश्तों के खराब होने के नये दौर में चीन के विरुद्ध एक कदम के रूप में उठाया जा रहा है। ऐसा सोचना न तो भारत सरकार की सोच और भारतीय हितों के प्रति न्याय होगा और न ही दलाई लामा के महान व्यक्तित्व के प्रति। दुनिया के एक सम्मानित नागरिक के रूप में गिने जाने के लिए दलाई लामा किसी नये पुरस्कार या सम्मान के मोहताज नहीं हैं। वे 20वीं और 21वीं सदी में सबसे लंबे समय तक लोकप्रियता की ऊंचाइयों पर लगातार रहने वाले लोगों में हैं तथा उन्हें 201 से अधिक प्रमुख पुरस्कार और सम्मान मिल चुके हैं। इन पुरस्कारों में नोबेल शांति पुरस्कार, मैगसेसे अवॉर्ड, अमेरिका में 'भारत रत्न' के रुतबे वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'कांग्रेसनल गोल्ड मेडल' और दुनिया में सबसे अधिक राशि वाला टैम्पलटन अवॉर्ड भी शामिल हैं। अगर किसी नगर के नागरिक प्रशासन द्वारा किसी बाहरी मेहमान को भेंट की जाने वाली 'नगर द्वार की चाबी' जैसे नागरिक सम्मानों की गिनती की जाए, तो शायद इनकी मात्रा दलाई लामा के अपने वजन से भी ज्यादा होगी। भारत रत्न का पात्र 'जाति, व्यवसाय, लिंग और ओहदे' के भेद के बिना कोई भी ऐसा व्यक्ति हो सकता है, जिसने मानवता के क्षेत्र में अति विशिष्ट योगदान दिया हो। इस सम्मान के लिए स्वयं भारत के प्रधानमंत्री भारत के राष्ट्रपति से इसके पात्र के नाम का अनुमोदन करते हैं।

यदि इस तराजू पर दलाई लामा के योगदान को तौला जाए, तो वह किसी भी मायने में पूर्व के सम्मानित व्यक्तियों से कम नहीं आंके जायेंगे। साल 1959 में भारत में शरण लेने के बाद दलाई लामा ने मात्र एक लाख ऐसे तिब्बती शरणार्थियों के बूते पर भारत को बौद्ध और तिब्बती संस्कृति के सबसे विश्वसनीय केंद्र के रूप में खड़ा कर दिया है, जिनके पास न तो यहां की भाषा का ज्ञान था, न इस नयी दुनिया के सामाजिक और आर्थिक तौर–तरीकों की जानकारी तथा न ही इतने कठिन मौसम में जी सकने का अनुभव था। यह दलाई लामा के प्रभावशाली व्यक्तित्व, उनकी नेतश्त्व क्षमता, अपने लोगों के मन में उनके प्रति आदर और थोड़े से शरणार्थियों की क्षमताओं को रचनात्मक दिशा देने की क्षमता का कमाल ही है कि पिछले 63 साल में उन्होंने तिब्बत को भारत से मिले हुए पुराने और पारंपरिक ज्ञान पर आधारित विश्वविद्यालय स्तर के कई शिक्षा और अध्ययन केंद्र खड़े कर दिये हैं, जहां दुनियाभर के विद्वान आते हैं। तिब्बती भाषा के ग्रंथों और दूसरे साहित्य का नये सिरे से अनुवाद कर कुछ अध्ययन केंद्रों ने भारतीय संस्कृति के सौ से अधिक ऐसे ग्रंथों को फिर से संस्कृत और हिंदी में जीवित कर दिया है, जिन्हें भारत में खोया हुआ और मश्त मान लिया गया था। सोने पर सुहागा यह है कि दलाई लामा ने अपने अहिंसा और प्रत्येक नागरिक की सार्वभौमिक जिम्मेदारी के मंत्र के आधार पर तिब्बत के प्रश्न पर दुनियाभर में ऐसा समर्थन हासिल कर लिया है, जो महात्मा गांधी के अहिंसा आंदोलन का एक नायाब नमूना बन कर उभरा है। उनकी कुछ विदेश यात्राओं में उनके साथ रहने का सौभाग्य मिलने के कारण मैंने स्वयं देखा है कि किसी नगरपालिका के प्रतिनिधियों की छोटी–सी बैठक से लेकर किसी ओलिंपिक स्टेडियम के अंदर और बाहर एक लाख से भी अधिक श्रोताओं के सामने अपने संबोधन में वह भारत के सांस्कृतिक ज्ञान, लोकतंत्र की शक्ति और दुनिया के सबसे ज्यादा धर्मों और भाषाओं के सामंजस्य की प्रशंसा किये बिना अपना व्याख्यान पूरा नहीं करते। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी कहा था कि भारत के कई गुणों का ज्ञान उन्हें दलाई लामा के साथ बातचीत में मिला। हालांकि भारत रत्न एक गैर राजनीतिक सम्मान है, लेकिन भारत के प्रति चीन के आक्रामक और जहरीले रुख के मौजूदा वातावरण को देखते हुए दलाई लामा को यह सम्मान देने के कई कूटनीति लाभ भी भारत को मिलेंगे। इससे दुनिया को यह संदेश भी मिलेगा कि जिस कब्जाये हुए तिब्बत को आधार–छावनी की तरह इस्तेमाल कर चीन पूरे दक्षिणी एशिया पर और भारत के इलाकों पर अपना आक्रामक हक जता रहा है, उसका शासक भारत में निर्वासन में रहने पर मजबूर है। इस कदम से चीन को अपने उस छिछोरे अभियान में भी झटका लगेगा, जिसके तहत उसने घोषणा कर दी है कि दलाई लामा के अगले अवतार को खोजने और मान्यता देने का अधिकार तिब्बती जनता, लामाओं और स्वयं दलाई लामा का नहीं, बल्कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का है। भारत की जनता और सरकार के लिए यह समझना जरूरी है कि अगर चीन अगले दलाई लामा के अवतार पर कब्जा जमाने में कामयाब होता है, तो भारत के 3800 किलोमीटर से ज्यादा लंबे हिमालयवर्ती सीमा क्षेत्र में बसी भारत की जनता पर तिब्बती बौद्ध धर्म और तिब्बती धर्मनेताओं के गहरे प्रभाव के कारण चीनी हस्तक्षेप बहुत गंभीर हो सकता है। इस चीनी षड्यंत्र की सफलता से लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश की सुरक्षा गहरे संकट में पड़ जायेगी।– **विजय क्रांति**

आज का राशिफल

मेष : आज आपका दिन काफी अच्छा रहेगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले से और मजबूत होगा। घरेलू कार्यों को पूरा करने में आज आप सफल होंगे।

वृष : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। किसी जरूरी काम में परिवार का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा। आपको कोई खास खुशखबरी सुनने को मिलेगी।

मिथुन : आज आप परिवार के साथ किसी काम में व्यस्त रहेंगे। ऑफिस में आपको कोई बड़ा काम निपटाने की जिम्मेदारी मिलेगी, जिसको समय से पूरा कर लेंगे

कर्क : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। कामकाज निपटाने के लिए आपको कुछ नए तरीके मिलेंगे। दोस्तों के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा।

सिंह : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। किसी जरूरी कामकाज को निपटाने में सफल होंगे। आप अपने आसपास के लोगों के साथ उदार रहेंगे।

कन्या : आज आपका दिन शानदार रहेगा। कला के क्षेत्र में आपकी रूचि बढ़ेगी। परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

तुला : आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। आपको किसी भी तरह की गलतफहमी से बचना चाहिए। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक : आज शिक्षा के क्षेत्र में आपको उन्नति मिलेगी। किसी दूसरे का उत्साह देखकर आप उत्साहित होंगे। माता–पिता के साथ रिश्ते और मजबूत होंगे।

धनु : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। अपने कॉन्फिडेंस के दम पर आप हर काम में सफल होंगे। कला या किसी रचनात्मक काम में आपका रूझान बढ़ेगा।

मकर : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपके मन में नए–नए विचार आयेंगे। आप परिवार के साथ शॉपिंग करने जायेंगे।

कुंभ : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको अचानक धन लाभ होगा। ऑफिघ्स में किसी बड़े अधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यापारियों को आय के नए स्रोत मिलेंगे।

मीन : आज ऑफिस में आपके पर्सनालिटी की तारीफ होगी। व्यापारी वर्ग अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए कुछ नयी योजनायें बनायेंगे। साथ ही माता–पिता के स्वस्थ का पूरा पूरा ध्यान रखें।

आजादी का अर्थ

जब मैं शाहदरा (दिल्ली) पहुंचा, तो मैंने अपने स्वागत के लिए आए हुए सरदार पटेल, राजकुमारी और दूसरे लोगों को देखा, लेकिन मुझे सरदार के होठों पर हमेशा की मुस्कुराहट नहीं दिखाई दी। उनका मसखरापन गायब था। रेल से उतरकर मैं जिन पुलिसवालों और जनता से मिला, उनके चेहरों पर भी सरदार पटेल की उदासी दिखाई दे रही थी। क्या हमेशा खुश दिखाई देने वाली दिल्ली आज एकदम मुर्दों का शहर बन गई है? महात्मा गांधी आगे कहते हैं– दूसरा अचरज भी मुझे देखना बदा था। जिस भंगी–बस्ती में ठहरने में मुझे आनंद होता था, वहां न ले जाकर मुझे बिड़ला के आलीशान महल में ले जाया गया। इसका कारण जानकर मुझे दुख हुआ। मुझे बिड़ला भवन में ठहराने का कारण यह है कि भंगी बस्ती में, जहां मैं ठहरा करता था, वहां इस समय निराश्रित लोग ठहराए गए हैं। उनकी जरूरत मुझसे कई गुना बड़ी है, लेकिन हमारे यहां निराश्रितों का कोई भी सवाल खड़ा हो, यह क्या एक राष्ट्र के नाते हमारे लिए शरम की बात नहीं है? 15 अगस्त 1947 को मिली आजादी के बाद 10 सितंबर 1947 को गांधीजी आजाद देश की राजधानी दिल्ली वापिस लौटे थे। आजादी मिलने के पूर्व ही गांधीजी ने 30 जुलाई 1947 को अपने प्रार्थना–प्रवचन में घोषित कर दिया था कि आज मेरा यहां आखिरी दिन है। कल से प्रार्थना नहीं हो सकती। गांधीजी ने इस सभा में कहा कि मैं लोगों से मिलने जा रहा हूं, किसी उम्मीद से नहीं। श्मैं खाली हाथ भी लौटकर नहीं आने वाला हूं। गांधीजी बिहार और बंगाल में साम्प्रदायिक हिंसा की आग में धधकते क्षेत्रों में पदयात्राएं करते, सभी वर्गों के लोगों के बीच शांति और सद्भाव स्थापित करते कई दिनों तक दंगाग्रस्त क्षेत्रों में पैदल घूमते रहे थे। सितंबर में आजाद भारत की राजधानी पहुंचकर उन्हें चारों तरफ पसरी उदासी दिखाई देती है। आजादी मिलने के बाद भी देश के लोगों के चेहरों की उदासी से गांधी चिंतित हो जाते हैं। क्या आजादी के 75 वर्षों के बाद आज हम आम लोगों के चेहरों पर उदासी देखने को अभिशप्त नहीं हैं? सवाल यह है कि देश में युवाओं, किसानों, आम–आदमी और अन्य कई परिवारों में फैली यह उदासी किसी को चिंतित क्यों नहीं करती? क्या अंग्रेजों की तरह धरती पर खींची लकीर की तरह हमने अपने हृदय पर भी एक लकीर नहीं खींच ली है? इसमें एक तरफ अंग्रेज नीतियों से बना इंडिया है और दूसरी तरफ भूख, भय, बेरोजगारी से पीड़ित नेतृत्व–विहीन लोगों का समुद्र लहरा रहा है। यह दूसरेपन की भावना कुछ संपन्न लोगों को अल्पसमय की खुशियां दे सकती है, पर एक निश्चित खुशहाल भविष्य की गारंटी नहीं। डॉ।राममनोहर लोहिया अपने शोधपूर्ण अध्ययन श्इतिहास चक्रश में इतिहास संबंधी दृष्टिकोण को समझाते हैं। मनुष्य चारयुगों– आदि–साम्यवादी, दास–युग, सामंती–युग और अब पूंजीवादी–युग से होकर गुजर रहा है। वे स्पष्ट करते हैं कि सभी युगों में इतिहास की एक सतत गति रही है, इतिहास का एक नियम रहा है जो उत्पादन के विकास के तरीकों से बना है। उत्पादन की शक्तियां पैदावार के संबंधों और सम्पत्ति के अधिकार के रिश्तों में सतत संघर्ष होता है। इतिहास बताता है कि देशों के विकास में, वर्गों की समाप्ति की आड़ में, सदा ही वर्णों का निर्माण हुआ है। समकालीन भारतीय राजनीति के स्वरूप को समझने के लिए वर्ग और वर्ण के बीच की शक्ति के बदलाव को समझना होगा। आजकल राजनीतिक दलों द्वारा बहुसंख्यकवाद की राजनीति में ही वर्णवाद का दर्शन काम करता है। बनारस के पास सारनाथ में अशोक का स्तम्भ, जिसकी चोटी पर चार शेर बने हैं, हमें गौरवान्वित करता है। हर दिशा से देखने पर इसके तीन शेर ही दिखाई देते हैं – न्याय, कर्तव्य और सेवा, परंतु खुद राजा या शासक कभी दिखाई नहीं देता। यदि किसी देश का शासक दिखाई देगा तो उस देश में निश्चित न्याय, कर्तव्य और सेवा का कोई एक तत्व विलुप्त हो जायेगा। अशोक स्तम्भ के साथ उसके एक धर्मलेख में एक स्मरणीय उदाहरण है– श्हर अवस्था में दूसरे सम्प्रदायों का आदर करना लोगों का कर्तव्य है। ऐसा करने से मनुष्य अपने सम्प्रदाय की अधिक उन्नति और दूसरे सम्प्रदायों का उपकार करता है। अपने ही सम्प्रदाय के आदर और उन्नति से किसी भी सम्प्रदाय की उन्नति नहीं होती, क्योंकि एक शरीर के सभी अंगों की तरह सम्प्रदाय भी एक देश से जुड़े रहते हैं।

अशोक की बात को आगे बढ़ाते हुए और विश्व के बीसवीं शताब्दी के घटनाक्रम को दृष्टिगत रखते हुए जवाहरलाल नेहरू एक महत्वपूर्ण बात कहते हैं। नेहरू के अनुसार बहुत से लोगों को यह मुगालता होता है कि वे खास हैं और दूसरों से बेहतर हैं। जब ऐसे लोग मजबूत और ताकतवर हो जाते हैं, तो वे खुद को, अपने तौर–तरीकों को दूसरों पर थोपने लगते हैं। ऐसा करने में वे अपनी शक्तियों का अतिक्रमण कर जाते हैं और गिर जाते हैं। हमारे देश के लोग अंग्रेजी राज्य के समय से ही श्भारत माता की जयश का जयकारा लगाते आ रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से यह जयकारा सभाओं और जुलूसों का मूलमंत्र बन गया है। भारतमाता का अर्थ आजादी के इतने वर्षों के बाद राष्ट्र–आराधना की जगह एक धर्म–आराधना के रूप में पूजा का माध्यम बनता जा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जवाहरलाल नेहरू इसे जनशक्ति के रूप में समझाते रहे हैं। नेहरू कहते थे, हम जो भी कर रहे हैं, वह अपनी आजादी के लिए ही तो कर रहे हैं। इसलिए जब हम भारतमाता की जय बोलते हैं तो हम भारत के 30 करोड़ लोगों की जय बोलते हैं। उन 30 करोड़ लोगों को आजाद कराने की जय बोलते हैं। इस तरह हम सब भारतमाता का एक–एक टुकड़ा हैं और हमसे मिलकर ही भारतमाता बनती हैं। नेहरू जी आगे कहते हैं कि जिस दिन हमारी गरीबी दूर हो जाएगी, हमारे तन पर कपड़ा होगा, हमारे बच्चों को अच्छी–से–अच्छी तालीम मिलेगी, हम सब खुशहाल होंगे, उस दिन भारतमाता की सच्ची जय होगी। आजादी के 75 वर्षों के बाद यदि हमारे देश का नेतृत्व भारतमाता की जय को इस अर्थ में देखना शुरू कर देता तो अमीरों और गरीबों के मध्य निरंतर चौड़ी होती गहराई इतनी विकराल नहीं हुई होती।

स्त्रियों के प्रति समाज बदले नजरिया

आधुनिक समय में दो महत्वपूर्ण परिघटनाएं हुई हैं– नवजागरण और राष्ट्रीय आंदोलन। नवजागरण की आधारभूमि पर राष्ट्रीय आंदोलन का ढांचा खड़ा है। नवजागरण को जिस तरह से पुरुष रचनाकारों, समाज सुधारकों के यहां देखा गया, अगर आप उसे स्त्री संदर्भ से देखने का प्रयास करें, तो उसका पूरा पैराडाइम बदल जाता है। नवजागरण में जितनी सुधार की आकांक्षाएं थी, वे लगभग स्त्री जीवन से ही जुड़ी हुई थीं तथा स्त्री की सामाजिक हैसियत पारिवारिक संदर्भों, रीति–रिवाजों से जुड़ी हुई थी। मोटे तौर पर देखा जाए, तो ऐसा प्रतीत होता है कि नवजागरण की सारी चिंता स्त्री केंद्रित चिंता है, लेकिन उसे स्त्री संदर्भ से नहीं देखा गया। इस तरह देखने से नवजागरण का पुंसवादी चेहरा हमारे समक्ष प्रकट होता है। नवजागरण की अगली कड़ी के रूप में लेखिकाएं राष्ट्रीय आंदोलन की भूमिका को देखती हैं। गौरतलब है कि भारतीय स्त्रीवाद को दो तरह के तनावों से गुजरना पड़ता है।

वे तनाव क्या हैं? पहला तनाव यह था कि भारतीय स्त्रीवाद को अपनी भारतीयता सिद्ध करनी थी। पश्चिमी स्त्रीवाद का पर्याय न समझ लेने की चुनौती ने उसे इतना आतंकित, डरा हुआ और तनावग्रस्त कर दिया कि भारतीय स्त्रीवाद की ऊर्जा इस बात में सर्वाधिक खर्च हुई कि उसकी भारतीयता किस प्रकार सिद्ध की जाए। हालांकि स्त्री के प्रश्न हमेशा से अंतरराष्ट्रीय, सर्वजनीन, वैश्विक तथा समय, देशकाल, संदर्भ के अंतर के साथ कमोबेश एक जैसे थे। बावजूद इसके भारतीय स्त्रीवाद के समक्ष चुनौती थी कि वह अपने को भारतीय पक्ष और संदर्भ से प्रस्तुत करे और उस पर पश्चिम की नकल होने का टैग न लग जाए। भारतीय स्त्रीवाद के सामने दूसरा तनाव यह था कि जिस तरह राष्ट्रीय आंदोलन की निर्मिति की जा रही थी और राष्ट्रीय आंदोलन के बड़े बैनर के तहत स्त्री और हाशिये के समाज के प्रश्नों को पीछे धकेला जा रहा था, उस तनाव व संकट से भारतीय स्त्रीवाद स्वयं को बचा कर भारतीय स्त्रियों की समस्याओं को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में उभार कर लाने में सफल हो। ऐसे में महादेवी वर्मा ने राष्ट्र और नवजागरण, साहित्य और स्त्री के साथ उसके संबंध को जिस तरह देखा है, अगर हम उसे दोबारा देखें और समझने का प्रयास करें, तो एक नये तरह का पाठ तैयार होता दिखता है। पहले अखिल भारतीय महिला सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया गया कि भारतीय स्त्री भारतीय संस्कृति और भारतीय शिक्षा के ही अनुसार तैयार की जाए। संगठित आंदोलन द्वारा रखे गये पहले कदम में भी श्स्त्री शिक्षाश एक महत्वपूर्ण प्रश्न था। साथ ही, उसमें भारतीयता के चिह्नों को बचाये रखने का दबाव भी था। इस दबाव में भारतीय स्त्री की तनावग्रस्तता को भारतीय आंदोलन और संघर्षों की तनावग्रस्तता के साथ मिला कर अच्छी तरह समझा जा सकता है। स्त्री के नागरिक अधिकारों को चिह्नित करना तथा राष्ट्रीय नवजागरण के संदर्भ में स्त्री द्वारा किये गये संघर्ष व उसकी कुर्बानियों को याद करना स्वाधीनता आंदोलन की लेखिकाओं द्वारा राष्ट्र और राष्ट्रवाद के विश्लेषण का एक अहम हिस्सा है। स्त्री के पक्ष से राष्ट्र की एक वैकल्पिक विवेचना तैयार करना आसान नहीं। स्त्री को नागरिक के रूप में देखे बिना इस पर बात नहीं की जा सकती। जब तक स्त्री को दया की अधिकारिणी मानते रहेंगे, तो जो कुछ उसे मिला वह उसके प्राप्य के रूप में नहीं, बल्कि दया या मनुष्य मात्र समझे जाने की गुहार के प्रत्युत्तर के रूप में प्रतीत होगा। उसकी वंदना को समझना सहज नहीं होगा, यानी इस बिंदु से हम आरंभ करें कि स्त्री नागरिक है, तो बहुत सारे प्रवाद, बहुत सारी प्रवंचनाएं अपने–आप छंट जाती हैं और स्त्री पितृसत्ता के फ्रेमवर्क से भी बाहर आती है। स्त्री को जब खाली पारिवारिक संबंधों (मां, बहन, पत्नी, प्रेमिका या अन्य किसी रूप) में कैद करके देखते हैं, तो इस तरह के संबंध अंततः उसे पितृसत्ता के फ्रेमवर्क के भीतर धकेल देते हैं। पितृसत्ता के फ्रेमवर्क को तोड़कर बाहर आने का एक मात्र संगत और वैज्ञानिक तरीका है स्त्री को नागरिक के रूप मे देखना। राष्ट्र के निर्माण में स्त्री और पुरुष दोनों का समान सहयोग रहा है। स्त्री के अस्तित्व के बिना समाज और राष्ट्र के निर्माण की परिकल्पना नहीं की जा सकती। आज भी कुछ पुरुषों में कहीं न कहीं यह भय है कि स्त्रियां यदि घर से बाहर निकलेंगी, तो बहुत सारा विघटन परिवार, समाज, राजनीति और बाहरी दुनिया में होगा, इस भय से पुरुषों को उबरना चाहिए। अगर आदिम समाज, आदिम संघर्ष काल में पुरुषों के साथ खड़ी होकर स्त्रियों ने सभ्यता के विकास में अपना महत्वपूर्ण अवदान किया, तो आज भी हर तरह से उन्नत होकर साथ चलती और नेतृत्व करती स्त्री समाज का कोई अपकार नहीं करेगी। भारत की अपनी परंपरा, प्राचीन साहित्य और व्यवहार में यह बात गहरे पैबस्त है, केवल उसे पुनः याद करने और अमल में लाने की जरूरत है। किसी भी राष्ट्र के लिए राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त करना राष्ट्र के निर्माण और गठन में एक कदम भर है। इसके बाद का बड़ा दायित्व है सहमेल और सहअस्तित्व के जरिये आपसी आदान–प्रदान पर जोर दिया जाए और स्वतंत्रता की चेतना को पुख्ता बनाया जाए।– **सुधा सिंह**

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में डेंगू एवं अन्य संचारी रोगों की रोकथाम के सम्बंध में बैठक सम्पन्न

प्रयाग दर्पण संवाददाता

i;kxjkt A जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में डेंगू एवं संचारी रोगों की रोकथाम के लिए बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, मलेरिया अधिकारी और डीपीआरओ को निर्देशित किया है कि व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर एण्टी लार्वा का छिड़काव, चूना छिड़काव, साफ–सफाई तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था नियमित रूप से सुनिश्चित की जाती रहे। जिलाधिकारी ने लोगो को डेंगू के लक्षण एवं बचाव तथा अन्य संचारी रोगो के नियंत्रण एवं बचाव के बारे में निरंतर जन जागरूकता के माध्यम से जागरूक करते रहने को कहा है।

कूलर, कंटेनर, गमले, हैण्डपाइप, खाली प्लाट, बेसमेंट, फ्रिज के अंदर कंटेनर आदि में साफ–सफाई के बारे में लोगो को जागरूक करते रहे। उन्होंने कहा कि डेंगू के मरीज जिन क्षेत्रों में मिले है, उस घर को चिन्हित कर उसके आस–पास के क्षेत्रों में फागिंग आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करा ली जाये। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि प्लेटलेट की पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था रहे तथा सभी अस्पताल में साफ–सफाई एवं दवाओं सहित सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित रहे। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में डी0पी0आर0ओ0 एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने–अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर ले तथा बाढ़ से प्रभावित ग्राम सभा में कहीं पर भी जल–जमाव न होने पाये तथा साफ–सफाई, दवाओं के छिड़काव आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है। एसओपी का अनुपालन सही ढंग से हो, ये सुनिश्चित करा लिया जाये तथा गम्भीर रोगियों के इलाज के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में डॉक्टरों की टीम एवं एम्बुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित रहे। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकरी को भी निर्देशित किया है कि पशुओं में संक्रमण फैलने की आशंका है, इसलिए गौशालाओं का निरीक्षण करा लीजिए, कहीं पर कोई कमी न रह जाये। पशुओं के लिए भूसा–चारे की भी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित रहे। गोशालाओं तथा डेयरी फार्मो पर छिड़काव, साफ–सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये है। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री जगदम्बा सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नानक सरन, जिला मलेरिया अधिकारी समस्त खण्ड विकास अधिकारी सहित सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग में नौकरी का झांसा देकर हड़पे ढाई लाख

लखनऊ। शिक्षा विभाग में योग शिक्षक के पद पर नियुक्ति कराने का झांसा देते हुए महिला से ढाई लाख रुपये जालसाज ने हड़प लिए। पीड़िता ने हजरतगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। ऐशबाग मास्टर कन्यहैया लाल रोड निवासी कैलाशपति की बेटी पिंकी हजरतगंज स्थित एक आफिस में कम्प्यूटर आपरेटर है। इसी बिल्डिंग में विनीत कुमार का भी दफ्तर है। जो शासन में गहरी पैठ होने का हवाला देता था। कुछ वक्त पूर्व विनीत ने बताया कि शिक्षा विभाग में योग शिक्षक की भर्तियां होनी हैं।

जानकारों की मदद से रुपये खर्च कर नौकरी लग जाएगी। विनीत ने पिंकी को इस बारे में बताया। सरकारी नौकरी लगने की चाह में पिंकी ने हामी भर दी। 25 फरवरी को उसने विनीत को ढाई लाख रुपये दिए। लेकिन नौकरी नहीं मिली। रुपये लौटाने के लिए कहा तो विनीत आग बबूला हो उठा। उसने पिंकी के साथ गाली गलौज करते हुए भगा दिया। छह महीने तक रुपये नहीं मिलने पर पिंकी ने हजरतगंज कोतवाली में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

आजम खान की राहत अर्जी हुई खारिज, सरकारी लेटर व मुहर का गलत इस्तेमाल करने का लगा आरोप

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान पर एक बार फिर नई मुसीबत आन पड़ी है। दरअसल, मुश्किलों में घिरे आजम खान पर अब एक नया आरोप लग गया है, कि उसने सरकारी लेटर हेड और मुहर का गलत इस्तेमाल किया है। इस वजह से आजम खान की राहत अर्जी को एमपी–एमएलए कोर्ट में खारिज कर दिया गया है। बता दें कि आजम खान की ओर से राहत पाने के लिए दिए गए प्रार्थना पत्र का विरोध करते हुए सहायक अभियोजन अधिकारी ने दलील दी, कि इस मामले में वादी साल 2014 से रिपोर्ट दर्ज कराने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा कि अभियुक्त ने जनता की भावनाओं को भड़काने और समुदाय विशेष को विभिन्न समुदायों के विरुद्ध अपराध करने के लिए प्रेरित करने का कार्य किया था। जो भारतीय दंड संहिता के तहत आपराधिक कृत्य है। इसके अलावा अभियोजन अधिकारी ने यह भी दलील दी थी, कि अभियुक्त ने पद पर रहते हुए जानबूझकर धार्मिक उन्माद फैलाने, प्रदेश और देश की जनता की भावनाओं को भड़काने और

व्यक्तियों, संस्थाओं और वादी की छवि धूमिल करने का पूर्ण प्रयास किया था। कोर्ट ने दलीलों को सुनने के बाद सपा नेता आजम खान की अर्जी को खारिज करते हुए कहा कि पत्रावली पर मौजूद साक्ष्यों को देखते हुए अभियुक्त के विरुद्ध आरोप तय करने के पर्याप्त आधार हैं, लिहाजा अभियुक्त के विरुद्ध आरोप तय करने के लिए पत्रावली 12 सितंबर को पेश की जाए। इस मामले में प्राथमिकी 1 फरवरी, 2019 को हजरतगंज पुलिस में दर्ज की गई थी। मुखबिर अल्लामा जमीर नकवी ने प्राथमिकी में आरोप लगाया था कि आजम ने भाजपा, आरएसएस और मौलवी सैयद की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए आधिकारिक लेटरहेड और मुहर का दुरुपयोग किया था। अतिरिक्त लोक अभियोजक ने कहा कि मुखबिर ने यह भी दावा किया था कि तत्कालीन सरकार के दबाव में मामले में देरी से प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत ने कहा, "रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री को देखने पर, आजम के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

संक्षिप्त खबरे

वेतन न मिलने से नाराज बिजली संविदाकर्मियों ने किया कार्य बहिष्कार

लखनऊ। लेसा के नादरगंज डिवीजन में वेतन न मिलने से नाराज संविदा बिजली कर्मियों ने मंगलवार को कार्य बहिष्कार किया। गुस्साएं कर्मचारियों ने अधिशासी अभियंता और कार्यदायी संस्था के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बवाल बढ़ने पर अधिशासी अभियंता दुर्गेश यादव ने संविदाकर्मियों को शांत कराया। उन्होंने कार्यदायी संस्था से सभी कर्मचारियों का वेतन देने का निर्देश दिया। जिसके बाद कर्मचारी शांत हुए। इस दौरान सुशील कश्यप, प्रदीप रावत, मोहन यादव, अंजनी, महेश, मुन्ना, राहुल यादव, सुशील सिंह और अशोक रावत मौजूद थे।

एटीएम बूथ पर मदद के बहाने खाते से 37 हजार उड़ाए

लखनऊ। एटीएम बूथ पर रुपये निकालने गए व्यक्ति को मदद का झांसा देकर जालसाज ने खाते से 37 हजार रुपये पार कर दिए। अलीगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। सीतापुर रोड स्थित अम्बर विहार कालोनी निवासी अनिल कुमार रविवार को त्रिवेणीनगर के जयहिंद गेस्ट हाउस के पास केनरा बैंक के एटीएम बूथ पर रुपये निकालने गये थे। इसी बीच पीछे खड़े व्यक्ति ने मददगार बनकर डेबिट कार्ड लिया। मशीन में कार्ड लगाने के बाद वापस लौटा दिया। रुपये न निकलने पर अनिल वहां से चले गए। घर पहुंचकर मोबाइल पर 37 हजार रुपये कटने का मैसेज आया।

नजीराबाद में दुकान सील करने पर भड़के व्यापारी

लखनऊ। नगर निगम की टीम ने मंगलवार को नजीराबाद में हाउस टैक्स बकाये पर बंद दुकानों को सील कर दिया। इससे व्यापारी भड़क गये और हंगामा करने लगे। गुस्साएं व्यापारियों ने नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह से मुलाकात की। व्यापारियों ने नियम विरुद्ध दुकान सील करने पर नाराजगी व्यक्त की। नजीराबाद व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुरेश छबलानी ने कहा कि सुबह 10 बजे के बाद व्यापारी मौके पर पहुंचे तो पता चला कि नगर निगम की टीम ने सील कर दी है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी स्मार्ट सिटी कार्य के कारण दो वर्षों से कारोबार चौपट है। इस अवसर पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने नगर निगम से बंद दुकानों की सील खोलने की मांग की। जिस पर नगर आयुक्त के निर्देश पर कर्मचारियों ने शाम को दुकानों की सील तोड़ दी।

कल कृषि मंत्री करेंगे कृषि ड्रोन का डेमोंसट्रेशन

लखनऊ। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही 01 सितंबर को प्रातः 10 बजे अत्याधुनिक तकनीक आधारित कृषि ड्रोन का डेमोंसट्रेशन करेंगे। इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारी तथा अनेक किसान उपस्थित रहेंगे। कृषि मंत्री श्री शाही ने बताया कि प्रदेश के किसानों को लागत प्रभावी उत्पादन मिल सके इसके लिए ड्रोन आधारित कृषि को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे प्रदेश के किसानों को नवाचार और तकनीक से जोड़कर उनकी लागत को कम करने तथा आय को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

राजकीय ऊसर सुधार प्रक्षेत्र रहीमाबाद ब्लॉक व तहसील मलिहाबाद में आयोजित किए जाने वाले इस कृषि ड्रोन डेमोंसट्रेशन कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारी तथा किसान उपस्थित रहेंगे।

इन्दिरा नगर जैन मन्दिर मे पर्युषण पर्व आज से

लखनऊ। जैन मन्दिरों मे पर्युषण पर्व बुधवार से प्रारम्भ हो रहे हैं। दस दिनों तक चलने वाले इस पर्व मे पूरा जैन समाज पूर्ण रूप से धर्म एवं ईश्वर के प्रति समर्पित रहेगा। जैन समाज के मंत्री अभिषेक जैन ने बताया कि इन्दिरा नगर जैन मन्दिर मे पर्युषण पर्व उत्तम क्षमा से प्रारम्भ होकर क्षमा पर ही क्षमावाणी के रूप मे समाप्त होगा। दस दिवसों मे मुख्य रूप से क्रमशः उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, आकिंचन एवं ब्रह्मचर्य ध र्म की पूजा प्रतिदिन होगी। इस अवसर पर मुरैना से पंडित पवन दीवान जी लखनऊ पधार रहें हैं जिनके निर्देशन मे समस्त पूजा भक्ति के कार्यक्रम जैन मंदिर मे किया जायेगा एवं आचार्य श्री दयासागर की संघस्त राधा दीदी का निर्देशन भी जैन समाज को प्राप्त होगा। पूजन मे संगीत देने के लिए भोपाल से हर्ष एंड पार्टी भी लखनऊ आ रही है जो मधुर स्वर लहरी के साथ भक्तों को भगवान की भक्ति मे लीन करेंगे।

अलीगंज के राजा का गणेशोत्सव आज से

लखनऊ। अलीगंज का राजा का गणेश उत्सव 31 अगस्त से 4 सितंबर तक गुलाब वाटिका अलीगंज में किया जाएगा। पांच दिवसीय आयोजन में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन संध्या, सुंदरकांड व फूलों की होली, डांडिया के आयोजन होंगे। संरक्षक राजकुमार सिंघल, महामंत्री डा. संदीप अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल संगठन मंत्री ने बताया कि इस बार यहां के गजानन हाथों मे शंख और त्रिशूल लिए भक्तों की सुरक्षा का संदेश देंगे। गजानन शिवाजी महाराज की पगड़ी से सुशोभित रहेंगे। मूर्ति लगभग 5 फीट ऊंची रहेगी। संगठन मंत्री मनोज मिश्रा ने बताया कि विगत 10 सालों से लगातार आयोजन करते आ रहे हैं। उत्सव की शुरुआत कोरोना में मृत लोगों को श्रद्धांजलि के साथ होगी। महामंत्री डा. संदीप अग्रवाल ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 7 बजे शुरु होंगे।

सीएम योगी ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का लिया जायजा, मंत्रियों को हवाई सर्वेक्षण करने का दिया निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में बुंदेलखंड सहित अन्य इलाकों में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिये मंत्रियों को प्रभावित इलाकों का दौरा करने और हवाई सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि इस क्रम में योगी के निर्देश पर राज्य के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह बुंदेलखंड में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लेंगे। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में भारी बारिश होने और राजस्थान से बांधों में अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के कारण प्रदेश की प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंच गया है। इस कारण बुंदेलखंड सहित विभिन्न इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गयी है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। इस क्रम में वह बुंदेलखंड का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। स्वतंत्र देव सिंह बुंदेलखंड में इटावा, औरैया, जालौन और हमीरपुर

में बाढ़ का जायजा लेंगे। इसके आधार पर सरकार बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करके इसकी भरपाई के उपायों को लागू करेगी। गौरतलब है कि बुंदेलखंड में यमुना और केन के तटीय जिलों बांदा और हमीरपुर तथा बेतवा के तटवर्ती झांसी जिले में पिछले कुछ दिनों से दर्जनों गांव बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा यमुना एवं अन्य सहायक नदियों के तटवर्ती जिले जालौन, इटावा और औरैया में भी तमाम इलाके बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इस बीच सरकार ने झांसी जिले में बाढ़ से जनधन एवं पशुधन को हुए नुकसान का आकलन करने के लिये सर्वे का काम सोमवार को शुरू कर दिया। बुंदलेखंड के सभी जनपदों में कृषि एवं राजस्व विभाग की टीमें फसल को हुए नुकसान का आंकलन करने में जुटी हैं।

भाषा विश्वविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और सीआईआई के अंतर्गत, मानसिक स्वास्थ्य पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में ब्र् ल्न्ट। की चेयर पर्सन निधि अग्रवाल जी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के वक्ता, डा. नितनम सिंह सोढी (न्यूरो साइकोलॉजिस्ट) और डा. प्रगति मिश्रा (एजुकेशनल साइकोलॉजिस्ट) ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और प्रभाव के बारे में बताया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देना था। डा. प्रगति मिश्रा ने विद्यार्थियों को तनाव और गुस्से को काबू में रखने के तरीके बताए। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि विद्यार्थियों को ओवरथिंकिंग के बजाए क्रिटिकल थिंकिंग करने की आवश्यकता है।

योगी राज में दंगा मुक्त हुआ यूपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्टर के हवाले से राज्य में अपराध कम होने और सांप्रदायिक हिंसा समाप्त होने का दावा करते हुए इसका श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त प्रशासक वाली छवि को दिया है जिससे राज्य की जनता सुरक्षित महसूस कर रही है। गौरतलब है कि एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट भारत में अपराध 2021 के आंकड़ों में महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराधों में उत्तर प्रदेश में कमी आने और, सांप्रदायिक हिंसा नगण्य के स्तर पर आने और साइबर अपराध भी घटने की बात कही गयी है। योगी सरकार ने मंगलवार को इसे बड़ी उपलब्धि बताया है। गृह विभाग के एक अधिकारी ने एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देकर बताया कि 2021 में सांप्रदायिक हिंसा की पूरे देश में कुल 378 घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें झारखंड में पिछले साल सांप्रदायिक हिंसा के 100 मामले, बिहार में 51, राजस्थान में 22, महाराष्ट्र में 77 और हरियाणा में 40 घटनायें दर्ज की गयीं।

मेडिकल कॉलेजों में 10 हजार भर्ती, योगी कैबिनेट ने 15 प्रस्ताव पास किए

लखनऊ। मंगलवार को यूपी कैबिनेट की बैठक में 16 प्रस्ताव रखे गए। इसमें 15 पर मुहर लगी है। राजकीय मेडिकल कॉलेज और शासकीय मेडिकल शिक्षण संस्थानों में 10 हजार नए पद पर तैनाती की जाएगी। 62 जिलों में 921 करोड़ से 2100 नलकूप लगाए जाएंगे। एसजीपीजीआई कर्मचारियों को सातवें वेतनमान से जुड़े सभी भत्तों का फायदा दिया जाएगा। साथ ही यूपी में राज्य अध्यापक पुरस्कार के नियमों में बदलाव को भी मंजूरी मिली है।

ये पुरस्कार 18 अलग–अलग कैटेगरी में दिए जाएंगे। इसकी तारीख भी अभी जारी होगी। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया, परिवहन विभाग में अब परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस सिमुलेटर ड्राइव पर टेस्ट देने के बाद ही जारी किए जाएंगे। इसमें 70: मार्क जरूरी होंगे। वही, परिवहन विभाग के प्रवर्तन दल के सिपाही अब समूह (घ) नहीं बल्कि समूह (ग) के अंतर्गत भर्ती किए जाएंगे। भर्ती के लिए शैक्षिक योग्यता को बढ़ाकर इंटरमीडिएट कर दिया गया है। प्रवर्तन दल के सिपाहियों की भर्ती उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग करेगा। इस व्यवस्था से सिपाहियों को प्रमोशन का लाभ मिल सकेगा। उनका वेतन भी बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया, एसजीपीजीआई कर्मचारियों को सातवें वेतनमान से जुड़े सभी भत्ते का भुगतान किया जाएगा। करीब 18 सौ कर्मचारियों को फायदा होगा। यहां बता दें कि एसजीपीजीआइ के कर्मचारी लंबे समय से पेशेंट केयर भत्ता, वर्दी भत्ता सहित अन्य भत्तों की मांग कर रहे थे। कैबिनेट की बैठक में भत्तों के भुगतान के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया, वाहन चेकिंग व्यवस्था को पीपीपी मॉडल पर ऑटोमेटिक जांच स्टेशन बनाए जाएंगे। राजकीय मेडिकल कॉलेज और शासकीय मेडिकल शिक्षण संस्थानों में 10 हजार नए पद पर तैनाती की जाएगी। कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा, 62 जिलों में 921 करोड़ से 2100 नलकूप लगाए जाएंगे। एक नलकूप से 50 हेक्टेयर खेत की सिंचाई हो सकेगी। इससे एक लाख पांच हजार कृषि भूमि की सिंचाई क्षमता बढ़ेगी। 2024 तक योजना पूरी होगी। पीएम किसान सम्मान निधि में रजिस्टर्ड किसानों को 2 लाख सरसों तोरिया की किट फ्री दी जाएगी। कमजोर मानसून से 2 लाख हेक्टेयर खेत खाली हैं। इस फैसले से एक किसान को 8 हजार रुपए का अतिरिक्त फायदा होगा।

यूपी बीजेपी अध्यक्ष पद संभालने के बाद भूपेंद्र चौधरी ने दिया पंचायती राज मंत्री के पद से इस्तीफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने सोमवार को अपने कार्यभार को संभालने के बाद मंगलवार को उन्होंने पंचायती राज मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष का पद संभालने वाले भूपेंद्र सिंह चौधरी ने योगी आदित्यनाथ सरकार के कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने ट्वीट से इसकी जानकारी भी स्वयं ही दी है। उन्होंने लिखा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के दायित्व के सम्यक निर्वहन हेतु आज मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिया। अपने प्रथम तथा द्वितीय कार्यकाल में क्रमशरू राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा कैबिनेट मंत्री, के रूप में प्रदेश की जनता की सेवा हेतु अवसर प्रदान करने तथा समय–समय पर दिए गए निदेशरें के लिए मुख्यमंत्री जी का एवं अनेक अवसरों पर प्रेरणादाई मार्गदर्शन व आशीर्वचन के लिए प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार।

मंगलवार को कैबिनेट की बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक से ही पहले ही भूपेंद्र सिंह चौधरी ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। भूपेंद्र सिंह चौधरी भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में संगठन के सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। अब वह सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष के पद पर तैनात रहेगें। भूपेंद्र सिंह चौधरी ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में अपना काम शुरू कर दिया है। उनसे मिलने कई मंत्री और विधायक भी पहुंचे हैं। उनका पदाधिकारियों के साथ ही साथ भाजपा के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं से भी मिलने का कार्यक्रम है। भाजपा के एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत के चलते संगठन का कार्यभार ग्रहण करने के अगले ही दिन मंगलवार को उन्होंने मंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया।

ऐशबाग जल संस्थान में गणेश उत्सव आज से

लखनऊ। कोरोना काल की पाबंदी हटने के बाद इस साल दो वर्ष बाद गणेश उत्सव के अवसर पर बुधवार से ऐशबाग जल संस्थान कालोनी के शिव मंदिर में पांच दिवसीय तश्तीय विशाल गणेशोत्सव एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजिका अनामिका मिश्रा ने बताया कि 31 अगस्त को मूर्ति स्थापना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत होगी और जो चार

सितंबर तक पांच दिवसीय तश्तीय विशाल गणेशोत्सव एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम चलेगा। इसमें हर रोज सांस्कृतिक कार्यक्रम संध्या और गणेशजी का विधि विधान से पूजन अर्चन किया जाएगा। इस बार गणपति बप्पा की मूर्ति राजधानी के लोकल कारीगरों द्वारा लाल मिट्टी से बनवाई गई है। इस बार खास तौर पर पर्यावरण का ध्यान रखा गया है कि गणेश प्रतिमा विसर्जन से पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे, यह गणेश प्रतिमा इक्रो फेडली होगी। इस पांच दिवसीय तश्तीय विशाल गणेशोत्सव में 31 अगस्त को सुबह ६ बजे मूर्ति स्थापना, १ सिंतबर को शाम ६ बजे से बच्चों की नश्त्य प्रतियोगिता, 2 सिंतबर को शाम ५ बजे भजन कीर्तन संध्या, ३ सिंतबर को रात्रि ७ बजे भक्तिमय झांकियों का मंचन और 4 सिंतबर को प्रातरू ६ बजे हवन पूजन व मूर्ति विसर्जन के साथ विघ्नहर्ता गणेश को अगले साल के लिए विदा की जाएगा। ऐशबाग जल संस्थान कालोनी के शिव मंदिर में गणेश उत्सव की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने बघाड़ा, सलोरी सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का लिया जायजा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

i;kxjkt A मा0 उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को बक्शी बांध पहुंचकर वहां से नाव के द्वारा बघाड़ा, सलोरी सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगो को बाढ़ राहत पैकेट में लाई, भूना चना, गुड़, मोमबत्ती, माचिस, बिस्कुट, साबुन, पीने का पानी वितरित किए। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने बाढ़ प्रभावित लोगो के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित किए जाने के अधिकारियों को निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी कम हो रहा है। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने बाढ़ के बाद की समस्याओं से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग को एलर्ट मोड़ पर रहने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि सरकार एवं प्रशासन की तरफ से बाढ़ से प्रभावित हुए लोगो के लिए पर्याप्त व्यवस्थायें की गयी है। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित लोगो

की समस्याओं को सुनने व प्रशासन की ओर की गयी व्यवस्थायें के बारे में जानकारी लेने के लिए ही वे बाढ़ से प्रभावित लोगो के बीच आयें है। जिलाधिकारी ने मा0 उपमुख्यमंत्री जी को बताया कि एनडीआरफ की टीम निरंतर बाढ़ क्षेत्रों का भ्रमण कर रही है तथा बाढ़ से प्रभावित लोगो को रेस्क्यू कर रही है। उन्होंने कहा कि जल पुलिस तथा सामान्य पुलिस भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर भ्रमणशील रहकर निगरानी रख रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि सभी उपजिलाधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्रों में निरंतर भ्रमणशील रहकर स्थिति का जायजा लेते रहने का निर्देश दिया गया है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ से प्रभावित लोगो के लिए नाव, दवाईयां, राशन सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें भी निरंतर सुनिश्चित करायी जा रही है।

यूपी के 22 जिले बाढ़ से प्रभावित, घरों में पानी

लखनऊ। व्यापक वर्षा और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण उत्तर प्रदेश के 22 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और हजारों हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई है। वाराणसी में घाट पानी में डूब जाने के कारण शवों के दाह संस्कार में काफी मुश्किलें आ रही हैं। बलिया में बाढ़ के पानी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है।

राहत आयुक्त कार्यालय से मिली रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में वर्तमान समय में 22 जिलों के 1079 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं और उनमें से 153 का संपर्क बाकी क्षेत्रों से पूरी तरह कट गया है।

कर्नलगंज में कड़ी सुरक्षा में संपन्न हुआ कांवड़ मेला

पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद, 8 से 10 लाख के बीच रही कांवड़ियों की संख्या

प्रयाग दर्पण संवाददाता

गोण्डा। कर्नलगंज में दो दिन पहले शुरू हुए कांवड़ मेले का आज शांतिपूर्ण तरीके से समापन किया गया। कांवड़ मेले को शांतिपूर्ण संपन्न कराना पुलिस और प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। अधिकारियों के द्वारा कांवड़ मेले के दौरान पूरी एहतियात बरती जा रही थी, जिससे कांवड़ मेले के दौरान किसी तरह का व्यवधान न होने पाए। इस साल आयोजित हुए कांवड़ मेले को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ–साथ पीएससी और सामाजिक संगठनों ने भी अपना पूरा योगदान दिया। इससे कांवड़ मेले को बिना किसी व्यवधान के संपन्न कराया गया। कांवड़ मेले से पहले 10 से 15 लाख के बीच कांवड़ियों के आने की संभावना व्यक्त की जा रही थी, लेकिन आज कांवड़ मेला के समापन के साथ प्रशासन के आंकड़े संभावनाओं को नहीं छू पाए। कांवड़ मेले के समापन के साथ पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने राहत की सांस ली। कजरीतीज के पर्व पर आयोजित हुए कांवड़ मेले में

इस साल 8 से 10 लाख के बीच कांवड़ियों की संख्या रही। हालांकि कांवड़ यात्रा से पूर्व 10 से 15 लाख के बीच कांवड़ियों के आने की संभावना व्यक्त की जा रही थी, लेकिन कांवड़ यात्रा के संपन्न होते–होते कांवड़ियों की संख्या संभावनाओं को पार नहीं कर पाई। कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस और प्रशासन की प्राथमिकता इस महामेले को शांतिपूर्ण संपन्न कराने की थी। इसको लेकर मेले में तैनात सभी अधिकारियों के द्वारा हर तरह के संभव प्रयास किए गए, जिसके चलते आज दोपहर में कांवड़ मेले का शांतिपूर्ण तरीके से समापन हुआ। दो दिन पहले से शुरू हुए ऐतिहासिक कांवड़ मेले का आज शांतिपूर्ण तरीके से समापन हुआ। कांवड़ मेले के समापन होने के साथ ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद मेले में पिछले 1 सप्ताह से लगातार कार्यरत रहे उप जिलाधिकारी हीरालाल ने मेले के शांतिपूर्ण समापन पर ड्यूटी में तैनात सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों, पत्रकारों तथा जनप्रतिनिधियों तथा को धन्यवाद दिया।

असिस्टेंट बैंक मैनेजर समेत चार घरों में भीषण चोरी

बस्ती। जिले के छावनी थानांतर्गत चरथी कथिक व चरथी भट्ट गांव में चोरों ने सोमवार की रात धावा बोला। असिस्टेंट बैंक मैनेजर सहित चार घरों से लाखों के जेवरात व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। छावनी थाना क्षेत्र के चरथी कथिक निवासी रोहित कुमार भट्ट पुत्र प्रेम कुमार भट्ट अंबेडकरनगर में बैंक ऑफ इंडिया में सहायक मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। सोमवार को आधी रात में बगल की खिड़की तोड़कर चोर घर में घुस गए। चोरों ने उनकी पत्नी व मां के कमरे से करीब एक लाख नकद व सोने की चेन, झुमकी, मंगलसूत्र समेत अन्य कीमती गहनों पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना पाकर रोहित मंगलवार की सुबह गांव पहुंचे और जानकारी छावनी पुलिस को दी। चरथी भट्ट निवासी व्यवसायी सूर्य लाल जायसवाल पुत्र द्वारिका के घर के बगल में चोर खिड़की तोड़कर अंदर घुस गए। उनके अनुसार चोरों ने छह हजार नगद के साथ सोने का हार, मंगलसूत्र, झुमकी, टॉप्स, चांदी के सिक्के आदि लाखों रुपये के गहने चुरा लिया।

बे नमाजी कभी मोमिन हो ही नहीं सकता - मौलाना अख्तर मोमिन सिर्फ वही है जो सिर्फ अल्लाह पर भरोसा करता है

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी । अमीरल मोमनीन की एक झलक पर भी अगर गौर कर लिया जाए तो हर निशानियों में परवरदिगार नजर आए, ईमान में इजाफा हो जाए । मुनाफिक को अगर सारी दुनियां की दौलत भी देती जाए तो भी वह अली से मोहब्बत नहीं कर सकता । जिस्म की हरकत का नाम अमल है,अमल को देखकर इंसान के ईमान का पता चलता है। हर वो अमल जो अल्लाह तक पहुंचाए वही इबादत है ।

जो जिक्रे परवरदिगार सुनकर बाग बाग हो जाता है कुरआन की नजर में वही मुत्तकी व ईमान वाला कहलाता है। यह बात दयानन्द नगर स्थित अली कालोनी में डा0 शारिब मौरानवी के अजाखाने पर सालाना मजलिस को खिताब करते हुए आली जनाब मौलाना अख्तर अब्बास जौन साहब ने कही। मौलाना ने यह भी कहा किआखेरत को कामयाब बनाना चाहते हो तो अमल व ईमान के मैदान में बाकी रहो। जो बाकी नहीं रह पाते वही आखेरत में घाटा उठाते हैं । जिस तरह अहलेबैत व कुरआन अलग नही हो सकते,उसी तरह ईमान और अमल भी अलग नही हो सकते । ऐसे मोमिन बनो जो हकद्द के आईने में सही करार पाये ताकि आखेरत बखैर हो जाए। मोमिन सिर्फ वही है जो सिर्फ अल्लाह पर भरोसा करता है । बे नमाजी कभी मोमिन हो ही नहीं सकता । आखिर में शहीदाने करबला व असीराने करबला के मसायब पेश किए जिसे सुनकर सभी रोने लगे । मजलिस का आगाज तिलावत ए कलाम ए पाक से मौलाना हिलाल अब्बास साहब ने किया । मजलिस से पहले डॉक्टर रजा मौरानवी ने पढा– गमे शह ने दिले मोमिन पे जब पैगम्बरी की है , तखय्युल ने समां बांधा जबां ने जाकिरी की है । अजमल किन्तूरी ने पढा– जिसको भी आले मोहम्मद से मोहब्बत हो जाए । उसकी तकदीर में भी कौसरो जन्नत हो जाए । डाक्टर मुहिब रिजवी ने पढ़ा–पलकों को गमे शाह से नम करते है , खुशियों को सिपुर्दे यदे गम करते हैं । जो छोड़ के सजदों को करे जिक्रे शह, वो मकब्सद ए सरवर पे सितम करते हैं।

संक्षिप्त खबरे

पच्चीस दिनों तक धरना देने पर भी नही हुई कोई सुनवाई

बाराबंकी । ग्राम पपेहरा खासी सराय तहसील थाना फतेहपुर निवासी बौद्ध भिक्षुणी संघशीला ने पच्चीस दिनों तक धरना देने पर कोई सुनवाई न होने पर आज गन्ना दफ्तर परिसर में आमरण अनशन प्रारंभ कर दिया है। बौद्ध भिक्षुणी संघशीला ने बताया कि अपने उत्पीड़न समेत बीस मांगो को लेकर गन्ना दफ्तर परिसर में पांच अगस्त से अनिश्चित कालीन धरना दिया जा रहा है फतेहपुर कोतवाली व तहसील प्रशासन एवं जिला प्रशासन द्वारा उनकी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है इस लिये आमरण अनशन का मार्ग चुनना पड़ा है। इस संबंध में शिवसेना जिला प्रमुख मनोज विद्रोही ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बुजुर्ग बौद्ध भिक्षुओं की मांगों पर विचार करते हुए उनकी समस्याओं का निस्तारण कराते हुए अनशन समाप्त कराया जाए।

प्रदुमन यादव के केस में सी जी एम के आदेश पर एफ आई आर दर्ज

बाराबंकी। आज प्रदुमन सिंह यादव केस में उसकी मां शशि यादव को प्रदुमन के लिए न्याय के प्रथम पायदान पर सफलता हासिल हुई है न्यायालय सीजीएम के आदेश पर थाना कोतवाली नगर बाराबंकी द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट आईपीसी धारा 304 504 323 के तहत दर्ज दर्ज कर ली गई है न्यायालय ने मामले को विद्यालय और गैर जिम्मेदाराना ठहराते हुए केस दर्ज कर कार्रवाई करने का आदेश दिया है आज गांधी भवन में प्रदुम यादव की मदद के सपोर्ट में गौरी रावत वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उक्त जानकारी दी

मोबाइल फोन चार्जर लगाते समय लगा करंट, युवक की मौत

बस्ती। बड़ेवन मार्ग के पास आइसक्रीम बेचने वाले युवक मंगलवार को मोबाइल फोन का चार्जर लगाते समय करंट की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौत हो गई। गोंडा जनपद के बालपुर थाना क्षेत्र के ठकुरापुर गांव निवासी 19 वर्षीय मोहित गोस्वामी पुत्र राम बुझारत गोस्वामी शहर में आइसक्रीम का ठेला लगाता था। बताया जा रहा है कि वह आइसक्रीम बेचता था। मंगलवार सुबह 11.15 बजे आइसक्रीन फैक्ट्री पर मोबाइल फोन चार्ज करने के लिए बोर्ड में चार्जर लगाने लगा। इसी दौरान मोहित को करंट लग गया। वहां मौजूद लोग आननफानन उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। चौकी इंचार्ज जिला अस्पताल अमित कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

कोर्ट पर पेशी को आया का युवक लापता

बहराइच। लकड़ी बरामदगी मामले में चल रहे केस की पेशी पर कोर्ट पर हाजिर होने आया युवक लापता हो गया। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की। पता न चलने पर पीड़िता पत्नी ने नगर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई है। बलरामपुर जिले के देहात कोतवाली के बलुई मोड़ निवासी 28 वर्षीय सूरज प्रताप सिंह पुत्र देश राज सिंह 23 अगस्त की सुबह दस बजे बहराइच में कोर्ट पर पेशी में हाजिर होने को आए थे। वह उस दिन से घर नहीं आए, तो परिजनों को आशंका हुई। उनके वकील ने बताया कि वह पेशी पर आए थे। पेशी का कार्य निबटाकर वकील को घर जाने को कहकर कचेहरी से निकले थे। परिजनों ने सभी संभावित जगहों पर तलाश की। उनका कोई पता नहीं चला। उसकी पत्नी कंचन सिंह ने रविवार को नगर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई है।

गाँवो में गंदगी से बजबजा रही नालियां

शाहजहाँपुर। सरकार सफाई कर्मचारियों को गांवों में साफ सफाई करने के लिए उनके वेतन पर करोड़ों रुपये खर्च करती है। लेकिन सफाई कर्मचारी गांवों में सफाई करने के स्थान पर अधिकारियों के कार्यालयों में चकारी करते है। आपको बता दे कि जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में एक सफाई कर्मचारी लिपिक का कार्य कर रहा है। जिसे लोग बड़े बाबू नाम से बुलाते है। अहम बात यह है कि उक्त व्यक्ति सफाई कर्मचारियों पर कार्रवाई के नाम पर उनसे बसूली करता है। इसके साथ ही दर्जनों सफाई कर्मचारी जिला पंचायत राज अधिकारी के कार्यालय में अटैच है जो बिना काम किये ही सरकार के लाखों रुपये का चूना लगा रहे है। जनपद में 15 विकास खण्डों में लगभग 2200 से अधिक सफाई कर्मचारी तैनात है। जिनको लगभग 30 हजार रुपये प्रतिमाह सरकार वेतन देती है। प्रति महीने केवल इस जिले में लगभग 6 करोड़ 60 लाख से ज्यादा की रकम ग्राम पंचायतों की साफ सफाई पर खर्च करती है।

शहीद का रामसनेहीघाट के पैतृक गांव में हुआ अंतिम संस्कार

बाराबंकी। अंबाला में शहीद हुए सेना के जवान का उनके पैतृक गांव रामसनेहीघाट के जुड़ावन पुरवा गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया। रविवार को जवान की अंबाला में करंट लगने से मौत हो गई थी। परिजन सेना के जवानों के साथ शव लेकर पैतृक गांव पहुंचे थे। इसके बाद पूरे सम्मान के साथ आर्मी के जवानों और ग्रामीणों की मौजूदगी में अंतिम यात्रा निकाली गई। रामसनेहीघाट के जुड़ावनपुरवा गांव के रहने वाले शशिकांत मिश्रा की पोस्टिंग अंबाला में थी। रविवार को उनकी करंट लगने से मौत हो गई थी। जिसके बाद सूचना पर परिजन अंबाला पहुंचे और सेना के जवानों के साथ आज सुबह शव लेकर पैतृक गांव जुड़ावनपुरवा वापस आए।

रिजवान मुस्तफा की तत्काल रिहाई की मांग, कहा बेबुनियाद फसाया जा रहा है

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। हिन्दी पत्रकार एसोसिएशन उ.प्र. के तत्वावधान में मंगलवार को संगठन के संरक्षक राजनाथ शर्मा के नेतृत्व में कई पदाधिकारियों ने उपभोक्ता संरक्षण मामले के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान श्री शर्मा ने संगठन की ओर से पत्रकार रिजवान मुस्तफा को रिहा करने की मांग की। इस दौरान संगठन के जिलाध्यक्ष पाटेश्वरी प्रसाद ने वरिष्ठ पत्रकार रिजवान मुस्तफा को फर्जी तरीके से फंसाये जाने का आरोप लगाया। उन्होंने मंत्री आशीष पटेल को बताया कि उपभोक्ता न्यायालय से संबंधित जिस मामले में रिजवान मुस्तफा को दोषी ठहराया गया है। उस मामले से उनका कोई सरोकार नहीं है। किसी षणयंत्र के तहत उनकी सामाजिक छवि को धूमिल किया जा रहा है। जबकि पत्रकार रिजवान मुस्तफा ने हमेशा भ्रष्टाचार के खिलाफ कलम चलाई और जन सरोकार के मुद्दों को उठाया। वक्फ की जमीनों पर काबिज भूमाफियाओं

के खिलाफ हमेशा मुखर रहे। ऐसे बेबाक पत्रकार रिजवान मुस्तफा को जेल भेजना और जमानत न होने देना लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की आवाज को जबरिया दबाने का प्रयास है। उपरोक्त मामले में सरकार को हस्तक्षेप करते हुए शासन स्तर पर उच्च स्तरीय जांच का आदेश देने चाहिए। जिससे पत्रकार को अपनी बेगुनाही का समय दिया जा सके। इस मौके पर हिन्दी पत्रकार एसोसिएशन के उपस्थित पादधिकारियों ने पत्रकार रिजवान मुस्तफा की रिहाई की मांग को पुरजोर तरीके से उठाया। इस मौके पर अयोध्या मंडल अध्यक्ष अजीज अहमद, मनीष सिंह, मो आदिल, सरदार राजा सिंह, अनिल यादव, शिवशंकर शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

हरियाली के लिए वीरान हो जाएगा डमरुआ

बस्ती। बस्ती विकास प्राधिकरण (बीडीए) की महायोजना 2031 के दायरे में डमरुआ व बड़ेवन के एक हजार मकान आ गए हैं। बीडीए ने डमरुआ और बड़ेवन को हरित पट्टी व यलो जोन में शामिल किया है। ऐसे में महायोजना लागू होने पर इसके दायरे में आने वाले मकान ढहा दिए जाएंगे। फिर खाली कराई गई 390 वर्गमीटर जमीन पर पौधे लगाए जाएंगे। बीडीए की ओर से अगस्त के शुरुआत में ही महायोजना पर आपत्तियां मांगी जा चुकी हैं। अब अधिकारी महायोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए सक्रिय हो गए हैं। बीडीए की ओर से डुग्गी मुनादी कराई जा चुकी है। उधर, महायोजना के दायरे में आए लोग सड़कों पर उतर आए हैं। मकान तोड़े जाने की आशंका से भयभीत करीब पांच हजार लोग महायोजना में बदलाव की मांग कर रहे हैं। वे सांसद व डीएम को अपनी समस्या सुना चुके हैं। आश्वासन मिला है, लेकिन ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है।

जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट स्थित डीआरडीए गांधी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती एकता सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक के दौरान यूपीएसआईडीसी कुर्सी रोड बाराबंकी में बन्द पड़ी नालियों की साफ–सफाई व मरम्मत तथा स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र कुर्सी रोड में भूखण्ड संख्या–ए–6ध्20 का भौतिक कब्जा इकाई स्वामी को दिलाये जाने सम्बन्धी प्रकरण, फायर स्टेशन के निर्माण हेतु आगणन प्रस्ताव, यूपीएसआईडीसी द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्रध् एग्रो पार्क, कुर्सी रोड में ट्रांसफार्मर की कमी के कारण नये विद्युत कनेक्शन व लो वोल्टेज की समस्या, यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र कुर्सी रोड में रोड संख्या 23 व 28 पर आवागमन पर असुविधा के दृष्टिगत मार्गो की मरम्मत एवं चौड़ीकरण सम्बन्धी प्रकरण, श्रम विभाग के श्रमिकों के पंजीकरण सम्बन्धी प्रकरण, एक जनपद एक उत्पाद योजनान्तर्गत ऋण की समीक्षा, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा की गयी। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी को बताया गया कि यूपीएसआईडीसी कुर्सी रोड में फायर स्टेशन के निर्माण हेतु कार्यदायी संस्था, राजकीय निर्माण निगम को 112.535 लाख की धनराशि आवंटित कर दी गई है, जिसका निर्माण कार्य 10 से 15 दिन में प्रारंभ हो जाएगा। अन्य अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु प्राधिकरण मुख्यालय को प्रेषित आगणन पर शीघ्र ही स्वीकृति प्राप्त हो जाने हेतु प्रतिनिधि यूपीएसआईडीए द्वारा बैठक के दौरान अवगत कराया गया। बैठक के दौरान यूपीएसआईडीसी कुर्सी रोड में नालियों की साफ–सफाई का कार्य पूर्ण होने के फलस्वरूप समिति द्वारा प्रकरण को निक्षेपित करने के साथ–साथ देवा रोड ओवर ब्रिज के पार रेल लाइन के किनारे की सड़क मरम्मत, में डायमण्ड कोल्ड स्टोरेज की इकाई के संपर्क मार्ग तक मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। बैठक के उपरान्त आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत स्वतंत्रता सप्ताह के तहत हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जनपद के उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित भी किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारी से कहा कि स्ट्रीट लाईटों, कब्जा सम्बन्धी प्रकरण, ट्रांसफार्मर की उपलब्धता, वोल्टेज की समस्या सहित मार्गो की मरम्मत तथा चौड़ीकरण के कार्य को तत्काल पूरा कर लिया जाये। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलायी जा रही श्रमिकों से सम्बन्धित योजनाओं का पूरा लाभ श्रमिकों को दिया जाये। स्वरोजगार योजनान्तर्गत ज्यादा से ज्यादा लोगों को स्वरोजगार हेतु प्रेरित कर योजना का लाभ पहुँचाये। निवेश मित्र की समीक्षा में समय सीमा के बाद लंबित सभी प्रकरणों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल निस्तारण के आदेश दिए। बैठक के दौरान सहायक आयुक्त श्रीमती शिवानी सिंह, आरएम यूपीआईएसआईडीए, अपर जिला सूचनाधिकारी सुश्री आरती वर्मा सहित उद्यमगण व सम्बन्धित जनपद स्तरीय विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास भड़क

अयोध्या। देश में बढ़ते धर्मांतरण और देश तोड़ने की साजिश को लेकर अयोध्या हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास ने रोहिंग्या मुसलमानों और बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने की मांग की है।

उनका कहना है कि ये दोनों भारत में रहकर देश की तोड़ने की साजिश और धर्मांतरण का खेल कर रहे हैं। राजू दास ने कहा कि यह भारत में रहकर यहां के संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं और आने वाले समय में देश को इनसे बहुत बड़ा खतरा है। उन्होंने इनके वोटर आईडी सहित अन्य कागजातों की भी जांच की मांग की है। साथ ही उन नेताओं की जांच की मांग की है जो इनको संरक्षण देते हैं और जिन्होंने इनके फर्जी कागजों को बनवाने में मदद की है। राजू दास ने असम के मुख्यमंत्री की ओर से वहां मदरसों पर हुई कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए कहा कि असम के मुख्यमंत्री ने एक बेहतर कार्य किया है।

नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन का नाम परिवर्तन होगा : सांसद

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बहराइच। बहराइच सांसद अक्षयबर लाल गोंड ने कहा है कि जिले के अंतिम रेलवे स्टेशन नेपालगंज रोड का नाम परिवर्तन कर रुपईडीहा रेलवे स्टेशन किया जाएगा। केन्द्र सरकार ने रुपईडीहा मीटरगेज रेलवे लाइन को ब्राडगेज में आमान परिवर्तन को सौ करोड की धनराशि आंवटित की है। दूसरी ओर बहराइच से लखनऊ रेलवे लाइन से जोड़ने को बहराइच से जरवलरोड तक रेल महकमा सर्वे कर रहा है। शहर के छावनी स्थित थोक कपड़ा कमेटी अतिथि भवन में सोमवार रात में उद्योग व्यापार मंडल की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में उन्होंने यह बात कही। सांसद ने कहा कि भारतीय क्षेत्र के रुपईडीहा कस्बे से सटे नेपाली शहर का नाम नेपालगंज है। भारतीय क्षेत्र के सीमावर्ती रेलवे स्टेशन का नाम पड़ोसी राष्ट्र के नेपालगंज शहर के नाम पर होने के कारण भ्रम की स्थिति बनी रहती है। रुपईडीहा कस्बा निवासियों की ओर से नाम बदलने की मांग को लेकर केंद्रीय रेल मंत्रालय को उन्होंने पत्र लिखा था। रेल मंत्रालय ने नाम बदलने को राज्य का विषय बताकर इसे यूपी सरकार को अग्रसारित किया है। उत्तर प्रदेश सरकार इसका नाम बदलकर रूपईडीहा करने जा रही है। समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि बहराइच को ब्रह्मा की नगरी कहा जाता है। अयोध्या को विष्णु अर्थात राम की नगरी व बनारस को महेश यानी शिव की नगरी कहा जाता है।

ट्रक चोर अंतर्जनपदीय गैंग का पर्दाफाश, तीन कार और 3 लाख 97 हजार नकदी के साथ छह वाहन चोर गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या पुलिस ने मंगलवार को ट्रक और चार पहिया वाहन चोरी करने वाले अंतर्जनपदीय गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्य शहर में चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद वाहनों को बनारस व दूसरे जनपदों में नंबर बदलकर बेच देते थे। पुलिस ने एक स्विफ्ट डिजायर कार,एक बलेनो कार व एक महिंद्रा एक्सयूवी कार के साथ 3 लाख 97 हजार रुपए और दो तमंचा बरामद किया है। गिरोह के तीन आरोपी फरार है। जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। कैंट पुलिस, क्राइम ब्रांच व सर्विलांस टीम को बड़ी सफलता मिली। पुलिस व स्वाट टीम ने गद्दोपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास से वाहन चोर गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक नगर मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि गिरोह

के सभी सदस्य शहर में सड़क किनारे खड़े वाहनों की चोरी करते थे। चोरी करने से पहले रेकी करते थे। गिरोह के सभी सदस्य ट्रक और चार पहिया वाहनों की चोरी करते थे।

पुलिस अधीक्षक नगर मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वाहन चोरी के बाद वे रूट बदलकर बनारस, बिहार व दूसरे जनपदों में वाहनों की बिक्री के लिए ले जाते थे। ताकि सीसीटीवी कैमरें की निगरानी में न आए। आरोपियों ने बताया कि चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद गाड़ियों का नंबर भी बदल देते थे। ताकि वाहन पकड़ में न आ सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों के पास से मिली कार के बारे में पता लगाया जा रहा है। पुलिस पूछताछ में चोरों की पहचान अमरेश बहादुर वर्मा (38) बस्ती जनपद के थाना परशुरामपुर के ढेलहुपुर, नदीम अहमद (40) अयोध्या के थाना पूराकलंदर क्षेत्र के भदोखर, राशिद सिद्दीकी (32) गोंडा जिले कोतवाली थाना क्षेत्र के फातिमा स्कूल कर्बला, किशन साहू(25) अयोध्या के रौनाही थाना क्षेत्र के कटरौली, माधव गिरी (38)बस्ती जनपद के थाना जैदपुरा के पांडेयपुर और मनोज कुमार पासवान (28)वाराणसी जनपद के थाना जैदपुर चौकाघाट निवासी के रूप में हुई है। पुलिस इन सभी के आपराधिक मामलों की तलाश कर रही है। मधुवन कुमार सिंह ने बताया कि ने बताया कि वाहन चोर गिरोह के पास से पुलिस को एक स्विफ्ट डिजायर कार,एक बलेनो कार व एक महिंद्रा एक्सयूवी कार के साथ 3 लाख 97 हजार रुपये भी बरामद किया है। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से तीन आधार कार्ड,2 पैन कार्ड व एक वोटर आईडी, दो तमंचा जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

आलमबाग पुलिस ने महिला गांजा तस्कर को पकड़ा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के थाना आलमबाग की पुलिस को बड़ी सफलता हासिल की है। मिली जानकारी के अनुसार एडीसीपी मध्य राजेश कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में थाना आलमबाग क्षेत्र में हुए पुलिस टीम व पुलिस के वाहन पर पथराव के बाद आलमबाग पुलिस सख्त हो गई है।

सूत्रों के अनुसार पता चला एडीसीपी मर्द राजेश कुमार श्रीवास्तव के आदेश पर इंस्पेक्टर आलमबाग धनंजय सिंह ने एक महिला गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर लिया महिला के पास से 5 किलो गांजा बरामद किया गया ।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।